राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

लोक आस्था का पर्व है छठ ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 30 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 309 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पीएम मोदी 31 अक्टूबर को 'आरंभ 2022' में सिविल सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को करेंगे संबोधित

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती के अवसर पर केवड़िया स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दौरा करेंगे। यहां वे सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। केवड़िया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'आरंभ 2022' कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और वहां मौजूद प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करेंगे। यह 'आरंभ' कार्यक्रम का चौथा संस्करण है और इस वर्ष की थीम है– 'अमृत काल में सुशासनः डिजिटल टेक्नोलॉजीज, फाउंडेशन टू फ्रंटियर्स'। आरंभ 2022 कार्यक्रम के अंतर्गत केवड़िया में 28 से 30 अक्टूबर के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों के दौरान विशेषज्ञ विभिन्न विषयों पर संबोधित करेंगे, जिसमें भारत अपनी टेक्नोलॉजी के आधार को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक सेवाओं की डिलिवरी में सुधार के लिए टेक्नोलॉजी की सीमाओं का पता लगाने के लिए अपनी क्षमता को किस तरह बढ़ाए तथा विभिन्न क्षेत्रों में और केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में टेक्नोलॉजी का उपयोग कैसे हो, जैसे विषयों का समावेश होता है। इस वर्ष आरंभ 2022 में ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज तथा रॉयल भूटान सिविल सर्विसेज के कुल 455 सिविल सेवा अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री 31 अक्टूबर को संबोधित करेंगे। 2019 में हुई थी 'आरंभ' कार्यक्रम की शुरुआतः हर साल अक्टूबर–दिसंबर महीने के दौरान, देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षा को पास करने वाले युवा सिविल अधिकारी मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में अपना फाउंडेशन कोर्स करते हैं। युवा दिमाग के लिए, यह फाउंडेशन कोर्स इस विशाल और विविधतापूर्ण देश में शासन के विचार, चुनौतियां और जिम्मेदारियों के साथ प्रथम परिचय कराता है। इस अकादमी में फाउंडेशन कोर्स में भाग लेने वालों को नेतृत्व, सिविल सेवकों के कौशल, प्रशासन और देश के लिए व्यक्तिगत कौशल एवं विजन का पाठ पढ़ाया जाता है। इन सभी का उद्देश्य प्रशासन को लोगों की जरूरतों के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाने का है। साढ़े तीन महीने के इस कोर्स के दौरान बड़ी संख्या में देश और दुनिया के वक्ता, विशेषज्ञ और प्रेरणादायक व्यक्ति लोक प्रशासक के रूप में प्रशिक्षु अधिकारियों के विजन को आकार देने के लिए उनके साथ वार्तालाप करते हैं। अकादमी की सीमित क्षमता के कारण फाउंडेशन कोर्स अब तक मसूरी सहित दो से तीन अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में एक साथ चलाया जाता था।

रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान को लेकर आप का प्रदर्शन

पार्टी कार्यकर्ताओं ने एलजी सक्सेना के खिलाफ की नारेबाजी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि श्रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफश अभियान को स्थगित कर दिया गया। आप कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर एलजी सक्सेना के खिलाफ नारेबाजी की। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अरुणा आसफ अली अस्पताल की ओर जाने वाली सड़क को खाली करने को कहा और प्रदर्शनकारियों के लिए वाटर कैनन भी लगाए गए हैं। मंत्री राय ने कहा दिल्ली एल–जी सक्सेना द्वारा प्रस्ताव फाइल को मंजूरी नहीं देने के कारण रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ अभियान को रोक दिया गया है। फाइल 21 अक्टूबर को एलजी को भेजी गई थी। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सरकार ने लोगों को गलत तथ्य दिए और अभियान 28 अक्टूबर को शुरू किया जाना था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा एलजी को भेजी गई फाइल में योजना को शुरू करने के लिए 31 अक्टूबर की तारीख का उल्लेख किया गया है।

गुजरात में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा चार नवंबर को करेंगे : केजरीवाल

सूरत (गुजरात)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए राज्य के लोगों द्वारा दी गई राय के आधार पर मुख्यमंत्री पद के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा चार नवंबर को करेगी। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में लोगों से एसएमएस, व्हाट्सएप, वॉयस मेल और ई–मेल के जरिये इस पर अपनी राय देने का अनुरोध किया कि पार्टी का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार किसे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात में बदलाव का माहौल है और लोगों को लगता है कि 'आप' राज्य में सरकार बनाने जा रही है। केजरीवाल ने कहा, ''आज मैं गुजरात के लोगों से पूछना चाहता हूं कि वे गुजरात के अगले मुख्यमंत्री के रूप में किसे देखना चाहते हैं। जनता की राय जानने के लिए हम एक नंबर 6357000 जारी कर रहे हैं। आप एसएमएस, व्हाट्सएप संदेश और वॉयस मेल भी भेज सकते हैं। हम ईमेल आईडी 'आप एनओसीएम एट जीमेल डॉट कॉम' भी जारी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि लोग एसएमएम, व्हाट्सएप, वॉयस मेल या ई–मेल के जरिये तीन नवंबर को शाम पांच बजे तक अपनी राय भेज सकते हैं। केजरीवाल ने कहा, ''हम मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा चार नवंबर को करेंगे।'' उन्होंने विजय रुपाणी को हटाकर भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाने के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि राज्य के लोगों से पूछे बिना यह किया गया। केजरीवाल ने कहा कि रुपाणी को पद से हटाकर भाजपा ने यह मान लिया है कि कुछ गलत था और उनमें कमियां थीं। 'आप' नेता ने कहा, ''क्या उन्हें इसलिए हटाया गया कि वह भ्रष्ट थे या अक्षम थे? उन्हें क्यों हटाया गया? उन्हें एक साल पहले हटाया गया था। जब रुपाणी को लाया गया था तो उन्होंने जनता से नहीं पूछा था। वे जनता से पूछे बिना मुख्यमंत्री बदलते रहते हैं।'' केजरीवाल ने कहा कि 'आप' ऐसा नहीं करती है। उन्होंने कहा कि 'आप' लोगों से यह तय करने के लिए कहती है कि वे किसे अपने मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं।

24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,574 नए मरीज, नौ लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,574 नए मरीज मिलने से देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,46,50,662 हो गई है। वहीं, संक्रमण से नौ और मरीजों के दम तोड़ने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,29,008 पर पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 19,398 से घटकर 18,802 रह गई है। बीते 24 घंटे में इलाजरत मरीजों की संख्या में 596 की कमी दर्ज की गई है। मंत्रालय ने बताया कि नौ और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,29,008 हो गई है। इन नौ मौतों में से पांच केरल में हुईं, जबकि छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा और महाराष्ट्र में एक–एक संक्रमित की जान गई। मंत्रालय के अनुसार, देश में संक्रमण का इलाज करा रहे रोगियों की संख्या कुल मामलों का 0.44 फीसदी है, जबकि कोविड–19 से उबरने वाले मरीजों की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.77 हो गई है। वहीं, मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर 0.95 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 1.11 फीसदी दर्ज की गई है। देश में कुल 4,41,02,852 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। मंत्रालय के अनुसार, देशभर में कोविड रोधी टीकों की 219.62 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

43 आप विधायकों को खरीदने की कोशिश, मनीष सिसोदिया ने बीजेपी पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी में शामिल होता है तो कोई भी जांच या केंद्रीय एजेंसी उसे परेशान नहीं करेगी। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दिल्ली शराब नीति से संबंधित जांच के दायरे में हैं और उनसे सीबीआई द्वारा कई घंटों तक पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी गंदी राजनीति में लिप्त है और उस पर अन्य दलों के विधायकों को हथियाने का आरोप लगाया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में 43 विधायकों के लिए 1075 करोड़ रुपया रखा हुआ है। मेरा सीधा सवाल ये है कि इनके पास इतना पैसा कहां से आया? उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि 27 अक्टूबर को स्वामी रामचंद्र भारती, सिमैया और नंद किशोर 100 करोड़ रुपये की भारी भरकम धनराशि के साथ पकड़े गए।

चुनावी चंदे का कुल 95 प्रतिशत हिस्सा भाजपा मिल रहा है और दानकर्ता में ईडी और आयकर विभाग का डरः गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावी चंदे का कुल 95 प्रतिशत हिस्सा मिल रहा है और दानदाता डर के कारण अन्य दलों को चंदा नहीं दे रहे। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के प्रचार अभियान के तहत सूरत में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता गहलोत ने भाजपा पर कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को चंदा देने की इच्छा रखने वाले उद्योगपतियों और कॉरपोरेट घरानों को 'धमकाने' का आरोप भी लगाया। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने खिलाफ किसी भी नकारात्मक खबर को दबाने के लिए धन खर्च करते हैं। गहलोत ने कहा, "अगर अन्य पार्टियों को दान दिया जाता है तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग चंदा देने वालों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं। हमारे देश में चंदे पर भी एक ही पार्टी ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने करोड़ों रुपये जमा कर रखे हैं, जिसका इस्तेमाल वे देशभर में पांच सितारा पार्टी कार्यालय बनाने में करते हैं।" गहलोत ने कहा, "चुनावी बांड की शुरुआत के बाद कुल दान का 95 प्रतिशत भाजपा को जा रहा है। दानकर्ता डर के कारण अन्य दलों को चंदा नहीं दे रहे हैं। भाजपा ने एक मॉडल पेश किया है, जिसमें चंदे के माध्यम से एकत्र किए गए धन का उपयोग राज्य सरकारों को गिराने के लिए किया जा रहा है, जैसे उन्होंने महाराष्ट्र और कर्नाटक में किया।" सत्तारूढ़ भाजपा पर 'फासीवादी' होने का आरोप लगाते हुए गहलोत ने कहा कि पार्टी किसी नीति, कार्यक्रम या सिद्धांतों के बजाय धार्मिक आधार पर चुनाव जीतती है। उन्होंने कहा, "गुजरात महात्मा गांधी की भूमि है, लेकिन यहां हिंसा और अशांति का माहौल है।

योगी ने प्रदेशवासियों को छठ की बधाई दी, कहा– छठ लोक आस्था का प्रमुख पर्व

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को छठ पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि छठ लोक आस्था का एक प्रमुख पर्व है। शनिवार को जारी एक सरकारी बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का एक प्रमुख पर्व है और इसमें आत्मिक शुद्धि और निर्मल मन से अस्ताचल एवं उदीयमान भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। योगी ने कहा कि हमारे देश में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की समृद्ध परंपरा एवं संस्कृति है, प्रकृति के साथ मानव के जुड़ाव का सन्देश देने वाला छठ पर्व इसी समृद्ध परम्परा का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत सभी सावधानियां बरतते हुए छठ पर्व मनाने की अपील की है।

कांग्रेस को मिलेगा पूर्व सीएम वीरभद्र की विरासत का लाभ? क्यों प्रतिभा सिंह को दी गई इतनी बड़ी जिम्मेदारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले है और इसी बीच कांग्रेस पार्टी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल गया है। बता दें कि राज्य के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा वीरभद्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान सौंप दी गई है। प्रतिभा सिंह को कुलदीप राठौर की जगह राज्य में पार्टी इकाई के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा यह बदलाव साल के अंत में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए किए गए हैं। प्रतिभा सिंह की टीम में चार कार्यकारी अध्यक्ष बनाये गये हैं। जिनमें हर्ष महाजन,राजिंदर राणा ,पवन काजल शामिल हैं। कौन है प्रतिभा सिंहः प्रतिभा पहली बार 1998 में सक्रिय राजनीति में आई थीं। उन्होंने अपना पहला चुनाव इसी संसदीय क्षेत्र से लड़ा था लेकिन भाजपा के महेश्वर सिंह ने उन्हें सवा लाख मतों से हरा दिया था। 1998 में वाजपेयी की सरकार आई लेकिन वह भी केवल 13 महीने ही सत्ता में रह सकी। 1999 में लोकसभा का दोबारा चुनाव किया गया। प्रतिभा सिंह ने यह चुनाव नहीं लड़ा। लेकिन उन्होंने 2004 में एक बार फिर चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई और पहली बार लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुई। 2009 का लोकसभा चुनाव उनके पति पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह ने लड़ा था। क्यों प्रतिभा सिंह को दी गई इतनी बड़ी जिम्मेदारीः कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हाल ही में हिमाचल कांग्रेस को लेकर छह सदस्यीय कमेटी भी गठित की है। इस बैठक में पार्टी ने माना कि दिवंगत वीरभद्र सिंह का हिमाचल प्रदेश में प्रभाव अभी भी कायम है। वह 6 बार हिमाचल के मुख्यमंत्री बने। इसी वजह से कांग्रेस पार्टी ने उनकी पत्नी को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया। प्रतिभा सिंह की नियुक्ति से पार्टी और भी मजबूत होगी।

सुरसरि मंदिर में होगा तीन दिवसीय रामोत्सव

5 से 7 नवम्बर तक आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में देव दीपावली के अवसर पर श्री सीतारामदास ओंकारनाथ देव द्वारा स्थापित श्रीरामजानकी सुरसरि मंदिर आश्रम, वासुदेव घाट में अयोध्या अखिल भारत जयगुरु सम्प्रदाय द्वारा तीन दिवसीय 5 नवंबर से 7 नवंबर तक गत वर्षो की भांति दिव्य श्री रामोत्सव के साथ अयोध्या लिटरेचर फेस्टिवल महोत्सव के सहित होंगे विविध कार्यक्रम जिसमें अखिल भारतीय जयगुरु संप्रदाय के आचार्य किंकर श्रीश्री विठ्ठल रामानुज महाराज की उपस्थिति में देश विदेश के विद्वानों का होगा व्याख्यान। समारोह का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक करेंगे और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सहित अनेकों विद्वान अपने विचार विभिन्न विषयों पर रखेंगे। समारोह में संगीत के साथ विश्व कल्याण यज्ञ, लेजर लाइट एंड साउंड शो, श्री सीता रामायण और नित्य श्री भजन संगीत सहित होंगे अनेकों कार्यक्रम।

5 नवंबर को डॉ विंदेश्वरी पाठक संयोजन में 350 विधवा महिलाएं जलाएंगे एक लाख दीप और समापन के अवसर पर 7 नवंबर को भारतीय रेलवे मजदूर गोदाम यूनियन के 7000 लोग एक लाख दीप जला करके समापन करेंगे।अखिल भारतीय जयगुरु संप्रदाय के महासचिव प्रियनाथ चट्टोपाध्याय ने बताया ने बताया कि अयोध्या में राम उत्सव के साथ लिटरेचर महोत्सव का आयोजन पहली बार होगा जिसमें प्रभु श्रीराम पर आधारित 20 विषयों पर अलग–अलग विद्वान चर्चा करेंगे। जिसमें मुख्य रुप से राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी केंद्र में मंत्री मीनाक्षी लेखी छत्तीसगढ़ के बृजमोहन अग्रवाल अपर्णा यादव भजन गायिका साधना सरगम डॉ सरयू बाला संतूर वादक पंडित अरुण भट्टाचार्य पंडित रमेश नारायण काशी विश्वनाथ के मुख्य पुजारी गुड्डू महाराज सहित नेपाल श्रीलंका भूटान वेटिकन सिटी ऑस्ट्रेलिया सहित 10 देशों के अतिथियों का कार्यक्रम कंफर्म हो गया है इसके साथ ही देश विदेश के और भी विद्वान कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

एनडी कृषि विवि व प्राणी उद्यान लखनऊ के बीच हुआ समझौता

–छात्रों व अध्यापकों को शोध के लिए मिलेगा वन्यजीवों का बड़ा क्षेत्र

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुलपति कार्यालय में आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या एवं नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान लखनऊ के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। समझौते के तहत आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पशुपालन एवं चिकित्सा महाविद्यालय के प्रोफेसर प्राणी उद्यान लखनऊ के वन्यजीवों का इलाज करेंगे ऐसे में जहां प्राणी उद्यान लखनऊ को एक कुशल डॉक्टरों की टीम मिल जाएगी जिसकी उन्हें सख्त आवश्यकता थी वहीं दूसरी तरफ कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों तथा अध्यापकों को शोध के लिए वन्यजीवों का बड़ा क्षेत्र मिल जाएगा।

कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय डॉक्टर पीएस प्रमाणिक ने हस्ताक्षर किए। वही नबाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान विभाग, लखनऊ के डिप्टी डायरेक्टर डा. उत्कर्ष शुक्ला एवं पशु चिकित्सक डा. बिजेंद्र यादव ने हस्ताक्षर किए। समझौते के बाद अधिष्ठाता पशु पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय डॉ पीएस प्रमाणिक ने कहा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं के शोध एवं अध्ययन के लिए हमारे पास बनने जीवो का रिसोर्ट उपलब्ध नहीं था, इस समझौते से बड़े स्तर पर वन्यजीवों एवं उनसे संबंधित चिकित्सा पर शोध हो सकेगा। वहीं दूसरी तरफ प्राणी विज्ञान लखनऊ को कृषि विश्वविद्यालय के योग्य चिकित्सकों की टीम उपलब्ध हो जाएगी जो वन्यजीवों के देखभाल करेगी। इससे दोनों ही संस्थानों की समस्याओं का निदान हो सकेगा इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ सुशांत श्रीवास्तव, कुलपति के सचिव डॉ जसवंत सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डी. नियोगी, पशु चिकित्सक डॉ. जेपी सिंह डॉ एस.पी सिंह आदि उपस्थित रहे द्य डॉ पीएस प्रमाणिक ने कुलपति जी को इस बात के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस प्रकार के समझौते के लिए निर्देशन दिया।

मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर सपा नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी का प्रतिनिधिमंडल महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट मिलकर ज्ञापन सौंपा, माहनगर अध्यक्ष ने कहा की किसी भी वार्ड में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची कासुचारु रुप से कार्य नहीं शुरू हुआ है जिन वार्डों का परसीमन किया गया है उसका नक्शा बीएलओ के पास उपलब्ध नहीं है महानगर अध्यक्ष ने कहा समाजवादी पार्टी मांग करती है कि मतदाता सूची में वोट बढ़ाने का कार्य तिथि 15 दिन बढ़ाई जाए ,सभी बीएलओ को नक्शा अनुरूप मतदाता सूची उपलब्ध कराकर मतदाताओं का नाम बढ़ाया जाए जिससे चुनावों निष्पक्ष रुप से संपन्न हो ,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने आरोप लगाया कि जानबूझकर जिस वार्ड का रहने वाला नागरिक है उसका नाम दूसरे वार्ड में दर्शाया गया है , बीएलओ को भी पूरी जानकारी नहीं है जिससे मतदाता भटक रहा है, बीएललो के देर से ड्यूटी लगाई गई ,हमारी मांग है कि मतदाता सूची में नाम बढ़ाने के कार्य तिथि बढ़ाई जाय जिससे कि नगर निगम चुनाव निष्पक्ष हो सके । महानगर प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया कि प्रतिनिधि मण्डल में महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, अखिलेश पांडे, मनीष कुमार मिश्र, अनीस यादव मौजूद थे।

कार्तिक पूर्णिमा मेला को लेकर डीएम ने की बैठक

चौदह कोसी परिक्रमा 1 नवम्बर की रात्रि 12:48 बजे से प्रारम्भ होकर 02 नवम्बर की रात्रि 10:33 तक होगी

अयोध्या। परिक्रमाध्कार्तिक पूर्णिमा मेला 2022 जो 02 नवम्बर 2022 दिन बुधवार को चौदह कोसी परिक्रमाध्अक्षय नवमी जो 01 नवम्बर 2022 की रात्रि 12:48 बजे से प्रारम्भ होकर 02 नवम्बर 2022 की रात्रि 10:33 बजे तक तथा पंचकोसी परिक्रमा एकादशी 03 नवम्बर 2022 को रात्रि 8:30 बजे से प्रारम्भ होकर 04 नवम्बर 2022 को सायं 06:43 बजे तक व कार्तिक पूर्णिमा स्नान 07 नवम्बर 2022 को अपरान्ह 03:37 बजे से प्रारम्भ होकर 08 नवम्बर 2022 को अपरान्ह 03:33 बजे तक तथा गुरूनानक जयंती व ग्रस्तोदित चन्द्र ग्रहण उदय सायं 05:10 बजे मोक्ष सायं 06:19 बजे तक आयोजित होगा। जिसके दृष्टिगत जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में परिक्रमाध कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आहुत की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि साफ सफाई आदि व्यवस्था बेहतर ढंग से की जाय तथा सुरक्षा मानकों का भी ध्यान रखा जाय। 30 अक्टूबर को छठ पूजा का पर्व है इसको ध्यान में रखते हुये नयाघाट, गुप्तारघाट पर भी सभी व्यवस्थायें एवं लाइटिंग की व्यवस्था कर ली जाय। आने वाले श्रद्वालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हों। उन्होंने कहा कि जो भी विभाग काम कर रहे है उनकों स्थायी विकास पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनएचआई के सर्विस रोड पर काफी गंदगी है उसकी सफाई सुनिश्चित की जाय तथा अयोध्या में बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे है जिसके दृष्टिगत अयोध्या की छवि के अनुरूप सुन्दर बनाया जाय तथा मूलभूत सफाई व्यवस्था अच्छी हों। जिलाधिकारी ने इस बार विगत वर्षो की अपेक्षा अधिक श्रद्वालुओं के आने की संभावना है, जिसके दृष्टिगत अतिरिक्त बसों हेतु परिवहन विभाग व अतिरिक्त रेलवे कोच हेतु सम्बंधित विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा रोड के किनारे जो टायलेट बनवाये जा रहे है वह सड़क की भूमि के अंतिम छोरधकिनारे बनाये, जिससे भविष्य में मार्ग चौड़ीकरण होने पर उसे तोड़ना न पड़े इसी प्रकार विद्युत विभाग ट्रांसफार्मर जहां पर पर्याप्त जगह हो वही पर लगायें। उन्होंने कहा कि परिक्रमाध्मेला क्षेत्र में आवश्यकतानुसार मजबूत बेरीकेटिंग करायी जाय तथा आज ही सभी सम्बंधित अधिकारी तथा तैनात किये गये मजिस्ट्रेट मौके पर जाकर निरीक्षण करें। जिन मार्गो की खुदाई विद्युत व जल निगम द्वारा की गयी है उसे तत्काल सही करायें तथा परिक्रमा मार्गो पर नंगे पैर चलने लायक बनाया जाय, जिससे श्रद्वालुओं को कोई समस्या न हों। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था एवं ट्रैफिक की व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिये। बैठक का संचालन अपर जिलाधिकारी नगरध्मेलाधिकारी सलिल कुमार पटेल ने किया। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अरविन्द कुमार द्विवेदी, पुलिस क्षेत्राधिकारी अयोध्या राजेश तिवारी, रेजीडेंट मजिस्ट्रेट, सहायक नगर आयुक्त, अधिशाषी अभियन्ता पीडब्लूडी, उपनिदेशक सूचना डा. मुरलीधर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत विभाग, सुलभ शौचालय के प्रतिनिधि के साथ साथ सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइकों की टक्कर में अधेड़ की मौत

रूदौली–अयोध्या। रूदौली कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रूदौली कोतवाली की भेलसर चौकी क्षेत्र के ग्राम अहरौली निवासी रामनरायन बुधवार को भेलसर में लगने वाली सब्जी की बाजार में आलू बेचने के लिए रखकर और सामान लाने के लिए घर वापस जा रहे थे तभी भेलसर बाजार से कुछ दूरी पर भेलसर गांव के पास दो बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें रामनरायन गम्भीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना लोगों ने भेलसर पुलिस को दी।सूचना मिलते ही भेलसर चौकी प्रभारी दृवेश द्विवेदी तत्काल अपने हमराहियों के साथ पहुंचकर घायल को सीएचसी रूदौली मे भर्ती कराया।जिसकी हालत गम्भीर देखते हुए डाक्टरों ने जिला अस्पताल अयोध्या रेफर कर दिया जहां उसकी मौत हो गई।इस सम्बंध में भेलसर चौकी प्रभारी दृवेश द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्र के अहरौली गांव निवासी राम नरायन पुत्र मिठाई लाल 50 वर्ष बुधवार को भेलसर गांव के पास दो बाइकों की टक्कर में घायल हो गए जिनको सीएचसी रूदौली मे भर्ती कराया गया था हालत गम्भीर देखते हुए डाक्टरों में उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां उनकी मौत हो गई।

सांड के हमले से बुजुर्ग घायल

बीकापुर–अयोध्या। बीकापुर क्षेत्र में एक बुजुर्ग 80 वर्षीय खेत पर गया हुआ था उसी दौरान छुट्टा सांड ने बुजुर्ग को पटक पटक कर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिन्हें इलाज के लिए एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर पर लाया गया जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक एस के मौर्या के द्वारा प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद हालत चिंताजनक देख गहन इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। मामला बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के लुफ्ताबाद बछौली निवासी भगवती प्रसाद तिवारी उम्र 80 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राम मनोरथ खेत पर गए हुए थे उसी समय आवारा सांड ने जानलेवा हमला कर दिया हल्ला गुहार मचाने पर जब तक ग्रामीण लाठी डंडा लेकर पहुंचते तब तक बुजुर्ग को काफी गहरी चोट सींग घुसा शरीर जख्मी कर दिया था।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली इलाके में जहरीला पदार्थ खाने के बाद तबीयत बिगड़ने पर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए गए युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस का कहना है कि जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत हुई है।एसएचओ केके मिश्रा के मुताबिक गोसाईगंज कोतवाली इलाके के मेदापुर गांव निवासी अर्जुन पुत्र झपसी की तबीयत खराब होने के बाद उसे परिजन लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज पहुंचे, जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। प्रथम दृष्टया किसी जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत होने की पुष्टि हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के स्पष्ट कारणों का पता लग सकेगा। फिलहाल पुलिस प्रारंभिक जांच पड़ताल कर रही है।

चौरसिया समाज का सम्मान समारोह आज

मिल्कीपुर–अयोध्या। चौरसिया समाज स्वागत समिति अयोध्या की ओर से 30 अक्टूबर को मंगलम गेस्ट हाउस फैजाबाद में स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम के संयोजक रामसूरत चौरसिया,लालचंद चौरसिया ने बताया कि चौरसिया समाज से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों,शिक्षकों एवं चिकित्सकों तथा समाज में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने के लिए अयोध्या (फैजाबाद) कचहरी के पीछे स्थित मंगलम गेस्ट हाउस में रविवार को सुबह 10रू30 बजे स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।जिसमें चौरसिया समाज के सैकड़ों लोग शामिल होंगे।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति से जुड़े रामसूरत चौरसिया,नरेश चौरसिया,राजेश चौरसिया,रितेश चौरसिया अंगद, सीताराम चौरसिया,बृजेश चौरसिया, शिव प्रसाद चौरसिया,महेंद्र चौरसिया, रविंद्र चौरसिया,सूरज चौरसिया,सत्य प्रकाश चौरसिया आदि ने समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष लालचंद चौरसिया के भटौली मिल्कीपुर स्थित आवास पर एक आवश्यक बैठक कर रणनीति बनाते हुए मंत्राणा किया है।

तीन लोगों ने जहरीला पदार्थ खाया

बांदा। गिरवां थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर गांव निवासी राजेंद्र (19) पुत्र फूलचंद्र ने दोपहर घरेलू किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर घरवालों को जानकारी हो सकी। इसी तरह बिसंडा कस्बा निवासी शिवकुमार (25) पुत्र रंजीत ने रात पारिवारिक कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। तब घरवालों को जानकारी हो सकी। इसी तरह तिंदवारी थाना क्षेत्र के परसौड़ा गांव निवासी आरती (26) पत्नी छेदीलाल ने . रात घरेलू कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों को जानकारी हो सकी। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दीवार गिरने से युवती घायल

बांदा। देहात कोतवाली क्षेत्र के छेहरांव गांव निवासी मिथला (30) पत्नी इंद्रपाल दोपहर आंगन में बैठी थी। तभी कच्ची दीवार भरभराकर ढह गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। शोरशराबा सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसका उपचार किया गया।

अधिवक्ताओं ने लेखपाल को श्रद्धांजलि दी

अतर्रा। तहसील अधिवक्ता संघ ने लेखपाल के निधन पर शोक सभा कर श्रद्धांजलि दी। तहसील अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमर सिंह राठौर व महासचिव मनोज द्विवेदी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने शोक सभा कर दिवंगत लेखपाल शिव शंकर को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष अरविंद पांडेय, मनोज श्रीवास्तव, पुरुषोत्तम पांडेय, श्याम बाबू गुप्ता, दिलदार वर्मा, सूरज बाजपेई, सुशील गुप्ता, बृजमोहन सिंह राठौर, धीरेंद्र सिंह, कमलेश सिंह यादव, जितेंद्र तिवारी, राजेंद्र यादव, रामप्रकाश यादव, छोटे लाल अवस्थी, प्रमोद अवस्थी, विश्वनाथ अवस्थी, संजय श्रीवास्तव, ब्रह्मदत्त शुक्ला, राजेश द्विवेदी, रामनरेश गर्ग, अतुल दीक्षित, लखन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

कुपोषित बच्चों को मिला पोषण पुनर्वास केंद्र का वरदान

26 कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में कराया गया भर्ती

अयोध्या। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 31 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा । अभियान के दौरान संभावित टीबी रोगी 57 और 47 कुपोषित बच्चे मिले जिनमें से 26 कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया स अभियान में पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, द्वारा सहयोग किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि ने बताया कि जिले में 7 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया गया । इस दौरान संभावित टीबी रोगी 57 मलेरिया रोगी के शून्य और 47 कुपोषित बच्चे मिले जिनमें से 26 कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया स उन्होंने बताया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 5 बेड और जिला चिकित्सालय में 30 बेड डेंगू के लिए आरक्षित हैं स अगर कोई भी व्यक्ति डेंगू से पीड़ित आता है तो उसको तुरंत भर्ती कर इलाज शुरु कर दिया जायेगा ऐसे दिशा निर्देश सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को दिया जा चुका है । साथ ही सभी जगह पर डेंगू की प्रारंभिक जांच के लिए किट भी उपलब्ध हैं। सीएमओ ने बताया कि आजकल विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चल रहा है। इसी क्रम 7 अक्टूबर से शुरू हुआ दस्तक अभियान 21 अक्टूबर को समाप्त हो गया है स इस दौरान आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, एएनएम और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर लोगों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने के साथ ही संचारी रोगों से खुद और अपने परिवार और समाज को किस प्रकार सुरक्षित रखना है जानकारी भी दी। सीएमओ ने बताया कि मादा एडीज या डेंगू के मच्छर के काटने के तीन से 5 दिनों के बाद बुखार आदि लक्षण दिखने लगते हैं। सिरदर्द, आंख दर्द, उल्टी, हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण हो तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। गंभीर अवस्था में पेट दर्द, तेज सांस. मसूड़ों में खून या खघून की उल्टी जैसी समस्या हो सकती हैप् डेंगू का पता लगाने के लिए एलाईजा टेस्ट कराएं स खूब पानी और ओआरएस पिएं। लिक्विड डाइट जैसे खिचड़ी व दलिया पर खास ध्यान दें। सूप, काढ़ा, नारियल पानी और अनार आदि का सेवन करें। उन्होंने बताया कि बीमारी से बचने के लिए जल जमाव कतई नहीं होने दें। कूलर के पानी का रोज बदलें और फ्रिज के पानी को हफ्ते में एक बार अवश्य निकाल लें या डिफ्रीज कर दें। पानी की टंकी ढक कर रखें। खिड़कियों और दरवाजों में जाली लगवाएं। मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी या स्प्रे आदि का प्रयोग करें। एक्वेरियम और फूलदान आदि में हर हफ्ते पानी बदलें। डीएमओ मंजुला आनंद ने बताया कि संचारी रोगों से बचाव का सबसे बेहतर उपाय है कि हम अपने घरों के आस पास, घरों के अंदर और छतों पर पानी इक्ट्ठा ना होने दें और समय समय पर यह जरूर देखें कि कही पानी इकठ्ठा तो नही हो रहा है। ऐसी स्थिति में तुरन्त पानी हटा दें साथ ही यदि पानी निकासी में कोई समस्या आ रही है तो उस पानी पर मिट्टी के तेल या जले हुए मोबिल का छिड़काव कर दें साथ ही नीम के पत्ती का धुंआ करे। उन्होंने बताया कि डेंगू का मच्छर अन्य से अलग होता है। इसके शरीर पर काली एवं सफेद रंग की पट्टियां पाई जाती हैं। इसे टाइगर मच्छर के नाम से भी जाना जाता है। डेंगू रोग एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। मानसूनी बारिश के साथ डेंगू के मच्छरों के पनपने का मौसम होता है। इसके तहत वेक्टर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू धचिकनगुनिया एवं दिमागी बुखार की रोकथाम के साथ ही अन्य संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। डेंगू के मच्छर साफ–सुथरे पानी में पनपते हैं इसलिए पानी को जमा न होने दें।

लड़की को ब्लैकमेल करने वाले एक व्यक्ति को गांव वालों ने पकड़ा

मां ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर लगायी न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के थाना तुलसीपुर अंतर्गत ग्राम बसंतपुर की महिला द्वारा अपनी लड़की की अश्लील फोटो बनाकर गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा एक साल से लड़की को ब्लैकमेल कर परेशान कर रहा था इसी कड़ी में इटावा जनपद का निवासी भी इसी साजिश में शामिल है गांव की भोली भाली लड़कियों का फोटो बनाकर उन्हें परेशान कर रहा था यहां तक की लड़की के होने वाले रिश्ते के लोगों का भी मोबाइल से सूचना देकर रिश्ते नहीं होने दिया किसी तरह लड़की की शादी हो गयी तो उसके ससुराल के लोगों को लड़की की फोटो आदि भेज कर परेशान कर रहा था इसी बीच जनपद इटावा निवासी सनी गांव आकर लड़की के बावत गांव के ही संतोष के घर छिपकर साजिश कर रहा था जिसे गांव वालों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया घटना के कुछ देर बाद ही उक्त लोगों को पुलिस द्वारा छोड़ दिये जाने की बात आयी है पीड़िता की मां ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी है।

कारीडोर के लिए चिन्हित जमीन अधिग्रहीत की तो बर्बाद होंगे किसान

किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने डीएम से की राहत की मांग

बांदा। यूपीडा द्वारा प्रस्तावित इंडिस्ट्रियल कारीडोर के लिए कृषि भूमि अधिग्रहीत किए जाने पर बिसंडा क्षेत्र के किसानों ने भूमि अधिग्रहण रोके जाने की गुहार जिलाधिकारी से लगाई है।

जिलाधिकारी ने किसानों की समस्या सुनकर कमेटी का गठन करने का आदेश दिया। किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने बिसंडा क्षेत्र के किसानों के साथ जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि यदि यूपीडा द्वारा प्रस्तावित इण्डिस्ट्रियल कारीडोर के लिए चिन्हित की जा रही कृषि भूमि को यदि अधिग्रहण किया गया तो सैकड़ों किसान भूमिहीन होकर तबाही के गर्त में समा जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इसमें सबसे ज्यादा वह किसान प्रभावित होंगे जिनकी जमीनें इसके पूर्व बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के लिए अधीग्रहीत की जा चुकी हैं। शेष जमीनों पर किसान कृषि कार्य करके अपना जीवकोपार्जन कर रहे हैं। यदि वह जमीन भी अधिग्रहीत कर ली गई तो किसान पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। किसानों ने इस बात पर भी रोष जताया कि उनकी जमीनें वर्ष 2017–18 के सर्किल रेट को अब तक बढ़ाया नहीं गया है। इससे भी किसानों को भारी नुकसान होगा। इस बीच जिलाधिकारी ने किसानों की समस्या सुनकर एक कमेटी का गठन करने का आदेश दिया है। जिसमें उप जिलाधिकारी अतर्रा, तहसीलदार, काननूगो और लेखपाल शामिल होंगे। जो किसानों की भूमि के चिन्हांकन पर अपनी आख्या देंगे। किसानों को ज्ञापन देने में शामिल प्रतिनिधि मंडल में राज्य किसान समृद्धि आयोग के सदस्य प्रेम सिंह, डीसीडीएफ अध्यक्ष सुधीर सिंह, प्रगतिशील किसान पुष्पेंद्र भाई, बिसंडा सभासद विमल कुमार, दिलीप सिंह, विनोद कुमार सिंह, प्रदीप सिंह, देवदत्त चौबे, अनूप राज सिंह, विष्णु, राजेंद्र व जितेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जयेन्द्र कुमार मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जोगिया उदयपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अधीक्षक डॉक्टर आशीष अग्रहरि सहित 03 चिकित्सक एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। अधीक्षक द्वारा बताया गया कि एक चिकित्सक जिनकी नाइट ड्यिुटी है। ओ.पी.डी.कक्ष, हाल, औषधी केन्द्र स्टाक, कोल्ड रूम, प्रसव रूम सहित सम्पूर्ण चिकित्सालय परिसर का अवलोकन किया गया। महिला शौचालय की स्थिति सन्तोषजनक नही पायी गयी। रोस्टर के अनुसार नियमित साफ–सफाई कराने तथा पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिये गये। विद्युत सप्लाई खराब थी। अधीक्षक द्वारा बताया गया कि बाढ़ से प्रभावित होने एवं तकनीकी समस्या के कारण विद्युत सप्लाई बाधित है। जिसकी मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। औषधी केन्द्र में स्टाक रजिस्टर के सापेक्ष दवाओं एवं वैक्सीन उपलब्धता का मिलान किया गया। स्टाक रजिस्टर में ए0आर0वी0 के सात वायल एवं ए0एस0वी0 के 56 वायल दर्शाया गया है, जिनका सत्यापन करने पर उपलब्ध पाया गया। अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में आवश्यक दवा उपलब्ध है, कुछ दवाओं एवं टेस्टिंग किट हेतु मांगपत्र जनपद स्तर पर प्रेषित किया गया है। ओ0पी0डी0 में उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों से वार्ता करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गया। सोलिड वेस्ट मैनजमेन्ट के अन्तर्गत कूडा निस्तारण का विशेष घ्यान दिये जाने के निर्देश दिये गये। प्रसव कक्ष में उपस्थित स्टाफ नर्स श्रीमती शीला चौधरी द्वारा बताया गया कि बाढ से प्रभावित होने के कारण प्रसव की संख्या में अत्याधिक कमी हो गयी है। वर्तमान में 01–02 प्रसव ही हो रहा है। प्रसव कक्ष में ए0सी0 नही लगा है। जिसे लगावाने के निर्देश दिये गये। 102 एवं 108 एम्बुलेन्स की उपलब्धता एवं संचालन के सम्बन्ध में बताया गया कि 102 एम्बुलेन्स पुरानी होने के कारण स्थिति ठीक नही है। 108 एम्बुलेन्स ठीक है। आयुष्मान कार्ड के निर्माण हेतु पंचायत सहायकों को सामुदायिक केन्द्र पर बुलाकर प्रशिक्षित किये जाने के लिए निर्देश दिया गया।बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचातयों में निरन्तर शिविर एवं जागरूकता करने के निर्देश दिये गये।

नौकरी का झांसा देकर रूपया ठगने वाले 02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। अमित के नाम पर पैसा लेकर फर्जी चयन पत्र देकर 170000६ पाठक पुत्र दिनेश कुमार पाठक साकिन श्रीदतगज थाना व जिला

कुमार आनन्द पुलिस अधीक्षक महोदय सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में, सिद्धार्थ अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के कुशल निर्देशन, देवी गुलाम क्षेत्राधिकारी बाँसी के नेतृत्व मे, दिनेश कुमार सरोज थानाध्यक्ष महोदय थाना जोगिया उदयपुर सिद्धार्थनगर द्वारा अपराध एवं अपराधियों व वांक्षित के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत बेरोजगार नवयुवको को नौकरी दिलावाने –(सत्तरह लाख रूपया) ठगने वाले शातिर अभियुक्तगण सम्बन्धित मु०अ०सं० 72६2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 504, 506, 406 भा०द०वि० के 02 सदस्यो को आज दिनांक 29.10.2022 को जोगिया पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अभियुक्तगण का विवरणः राजू साहनी, पुत्र विशुनकुश साहनी साकिन केवटलिया थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर, ओमप्रकाश बलरामपुर हाल पता मैक्स हस्पिटल सिद्धार्थनगर गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण उ0नि0 राजेश शुक्ला थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर उ०नि० अख्तर थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर सतेन्द्र यादव थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर देवेंद्र यादव थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर।

कोटे की दुकान पर नहीं,रास्ते में दूसरी गाड़ियों में खाली कर रहे राशन

बिना तौले ही एक गाड़ी से दूसरी गाड़ी में लेबर डालते दिखे राशन की बोरियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर। सरकारी राशन वितरण प्रणाली में जबसे यह नियम लागू हुआ कि राशन दुकानों तक पहुंचा कर दिया जाएगा। कोटेदारों को राशन लेने के लिए गाड़ियों का ज्यादा भाड़ा नहीं खर्च करना होगा। लेकिन ठीक उसके विपरीत हो रहा है। एक वीडियो शोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें बिना नाप तौल के एक गाड़ी से दूसरी गाड़ी में राशन को रखा जा रहा है। वायरल वीडियो शनिवार करीब 9.30 का बताया जा रहा है भनवापुर ब्लॉक क्षेत्र के मन्नीजोत स्थित ईंट भट्ठे के पास का है। राशन की बोरियों को बिना तौले ही एक गाड़ी से दूसरी गाड़ी में लेबर डालते नजर आ रहे हैं। वहां के ठेकेदार से पूंछा गया तो ठेकेदार नें बताया कि यह राशन सरोथर कठोतिया जाएगा। पर सवाल यह है कि सरोथर कठोतिया जाने वाला राशन मन्नीजोत के पास क्यों उतारा जा रहा है। वो भी बिना बोरी तौले ही। उसका किराया कौन देगा मन्नीजोत से सरोथर की दूरी करीब 3 किलोमीटर की दूरी है। इस मामले में अतिरिक्त पूर्ति निरीक्षक भनवापुर विजय सहाय ने कहा कि मन्नीजोत में जो राशन उतारा जा रहा था वह सरोथर कठोतिया जाने के लिए था क्योंकि वहां ट्रक नहीं जा सकती, और कोटेदारों को निर्देशित किया गया कि राशन तौलकर लें यदि इस तरह का मामला है तो उसपर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ पीड़ितों का मदद करना पुनीत कार्य–विधायक श्यामधनी राही

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। बाढ़ पीड़ितों का मदद करना पुनीत कार्य है

इसको सभी को करना चाहिए। उक्त बातें विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कही वह शनिवार को ग्राम बहेरवा नानकार, गायघाट, रेहरवा, चौबाहे, टिकरिया, इटौवा, हथिवडताल, में बाढ़ पीड़ितों को त्रिपाल, जरीकेन, लाई, आलू, चावल, आटा, चना, तेल, मशाला, बिस्कुट, नमक, गुड़ आदि का वितरण लगभग एक हजार परिवारों में किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार सदर रामऋषि रमन, लेखपाल रामकरन गुप्ता, विनोद प्रजापति, अशोक गुप्ता, हसन तमाम, नरेन्द्र देव, सुबोध, रमेश, अजीत आदि उपस्थित रहे।

जनपद के हर तहसील पर बनेगा बायो प्लांट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति 2022 के अंतर्गत जनपद में उद्यमियों को उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि अपशिष्ट आधारित बायो सी0एन0जी0ध्सी0बी0जी0 उद्यम उत्तर प्रदेश में प्रत्येक तहसील में एक बायो प्लांट (सी0बी0जी0 या बायोपेलेट या बायो डीजल) लगाया जाएगा। तहसील को बायो प्लांट हेतु कैचमेंट एरिया बनाया जाएगा। विकास नीति के अंतर्गत निवेशकों को प्रस्ताव प्राप्त करने, भूमि के आवंटन, विभिन्न एन0ओ0सी0 तथा अनुदान वितरण के लिए पोर्टल नचदमकंइपवमदमतहलचवतजंस पर बायो ऊर्जा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है एवं बायो ऊर्जा के संबंध में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आदि के लिए पोर्टल ूण्नचदमकंण्पद का विकास किया गया है। जैव ऊर्जा उद्यम इकाइयों को भारत सरकार की नीतिध्योजना के अतिरिक्त कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादन पर रुपया 75 लाख प्रति टन की दर से अधिकतम रुपया 20 करोड़, बायो कोल उत्पादन पर रुपया 75000 प्रति टन की दर से अधिकतम रुपया 20 करोड़, बायो डीजल के उत्पादन पर रुपया 3 लाख प्रति किलोलीटर की दर से अधिकतम रुपया 20 करोड़ अनुदान दिया जा रहा है। कृषि उपकरणों पर केंद्र सरकार के सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत संयंत्रों पर दी जा रही अधिकतम 50 प्रतिशत सब्सिडी के अतिरिक्त 30 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम रुपया 20 लाख की सीमा तक) प्रदेश सरकार द्वारा बेलर, रेकर एवं ट्राली उपकरणों पर यूपीनेडा के माध्यम से अनुदान उपलब्ध कराई जाएगी। प्रोत्साहन हेतु 50 करोड़ या उससे अधिक के निवेश पर इकाई से अधिकतम 5 किलोमीटर तक एप्रोच रोड की सुविधा, स्टांप ड्यूटी में शत–प्रतिशत छूट, विद्युत शुल्क में 10 वर्षों तक शत–प्रतिशत छूट है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना अधिकारी यूपीनेडा, विकास भवन–सिद्धार्थ नगर अथवा मोबाइल नंबर 9415609037, 7080979016 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त किया जा सकता है। उक्त आशय की जानकारी परियोजना अधिकारी यूपीनेडा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया है।

जिला स्तरीय पोषण समिति डिस्ट्रिक्ट कनवर्जेन्स प्लान कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति डिस्ट्रिक्ट कनवर्जेन्स प्लान कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्रो पर शौचालय निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबधित अधिकारी को शेष शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने तथा शेष आंगनबाड़ी केन्द्रो पर बाला पेंन्टिंग कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आंगनबाड़ी केन्द्रो के भवन निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने सीडीपीओ को सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने करने तथा पोषण वाटिका विकसित कराने का निर्देश दिया। समस्त सी.डी.पी.ओ. को निर्देश दिया कि कुपोषित बच्चो को चिन्हित कर पोषित बच्चो की श्रेणी में लाने हेतु तथा अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा आशा के माध्यम से एनीमिया ग्रसित बालिकाओ को चिन्हित कर उन्हें पोषाहारध्दवा समय से उपलब्ध कराये। समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त डी0सी0मनरेगा संजय शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, सी0डी0पी0ओ0 व अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

छठ पूजा में लगे सफाई कर्मी

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत

कपिलवस्तु में सफाई कर्मी तालाब को पूरी तरह से साफ सफाई में लग गए है तालाब को पूरी तरह से साफ किया जा रहा है इस वर्ष रविवार को सांध्या अधर्य व सोमवार को भौरवा अधर्य श्रद्धालुओ द्वारा दिया जाएगा जिसको लेकर नगर पंचायत कपिलवस्तु पूरी तरह से जुट गए है वहीं अधिशाषी अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि तालाब को पूरी तरह से साफ कराया जा रहा है जिससे श्रद्धालुओ को कोई समस्या न हो और सफाई नायक के द्वारा सफाई कर्मी को लेकर तैयारी में जुटे हुए है।

भारतीय वायुसेना की अग्निपथ अग्निवीर वायु इनटेक भर्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय वायुसेना की अग्निपथ स्कीम के तहत अग्निवीर वायु इनटेक 01६2023 की भर्ती हेतु विज्ञापन दिनांक 02 नवंबर 2022 को जारी होगा एवं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन दिनांक 08 नवंबर 2022 से 23 नवंबर 2022 तक होगा। इस बार भारतीय वायु सेना में पहली बार महिलाओं के लिए भी अग्निवीर वायु हेतु आवेदन मांगे जाएंगे। उक्त आशय की जानकारी मंजूलता सिंह, संयुक्त सचिव, उ0प्र0 शासन द्वारा दिया गया है।

सम्पादकीय

सर्वत्र अंग्रेजी के एकाधिकार के कारण भारत के गरीब, विपन्न, ग्रामीण और मेहनतकश लोगों की हालत कार्ल मार्क्स के शब्दों में सर्वहारा की बनी हुई है लेकिन इन सर्वहारा की लूट पर मार्क्सवादियों की बोलती बंद क्यों है? मोदी ने जो कहा है, यदि वे वह करके दिखा दें तो दक्षिणपंथी कहे जानेवाले भाजपाई और संघी लोग...

नरेंद्र मोदी और अंग्रेजी हटाओ

गुजरात के स्कूलों में 5 जी की तकनीक के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमाल कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री की हैसियत से अंग्रेजी की गुलामी के खिलाफ जो बात कह दी है, वह बात आज तक भारत के किसी प्रधानमंत्री की हिम्मत नहीं हुई कि वह कह सके। मोदी ने अंग्रेजी की गुलामी शब्द का प्रयोग किया है, जिसके बारे में पिछले 60–70 साल से मैं बराबर बोलता और लिखता रहा हूँ और अपने इस विचार को फैलाने की खातिर मैं जेल भी काटता रहा हूँ और अंग्रेजीभक्तों का कोप–भाजन भी बनता रहा हूँ। देश की लगभग सभी पार्टियों के सर्वोच्च नेताओं और प्रधानमंत्रियों से मैं अनुरोध करता रहा हूं कि हिंदी थोपने की बजाय आप सिर्फ अंग्रेजी हटाने का काम करें। अंग्रेजी हटेगी तो अपने आप हिंदी आएगी। उसके अलावा कौनसी भाषा ऐसी है, जो भारत की दो दर्जन भाषाओं के बीच सेतु का काम कर सकेगी? लेकिन हमारे नौकरशाहों और बुद्धिजीवियों के दिमाग पर अंग्रेजी की गुलामी इस तरह छाई हुई है कि उनकी देखादेखी किसी प्रधानमंत्री या शिक्षामंत्री की आज तक हिम्मत नहीं पड़ी कि वह श्अंग्रेजी हटाओच्च की बात करे।

अंग्रेजी हटाओ का अर्थ अंग्रेजी मिटाओ बिल्कुल नहीं है। इसके सिर्फ दो अर्थ हैं। एक तो अंग्रेजी की अनिवार्यता हर जगह से हटाओ और दूसरा विदेश नीति, विदेश व्यापार और अनुसंधान के लिए हम सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर न रहें। अंग्रेजी के साथ–साथ अन्य विदेशी भाषाओं का भी इस्तेमाल करें। यदि ऐसा हो तो भारत को महाशक्ति और महासंपन्न बनने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। प्रधानमंत्री के अंग्रेजी–विरोध का आशय केवल इतना ही है लेकिन तमिलनाडु विधानसभा ने सरकार की भाषा नीति के विरुद्ध प्रस्ताव पारित करके वास्तव में तमिलनाडु का बड़ा अहित किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने भाषणों में हिंदी थोपने की बात कभी नहीं की है लेकिन देश के हिंदी–विरोधी नेता मनगढंत तथ्यों के आधार पर उनकी बातों का विरोध कर रहे हैं। मुझे तो आश्चर्य है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस–जैसी पार्टी चुप क्यों है? कम से कम वह गांधी नाम की इज्जत बचाए। महात्मा गांधी ने तो यहां तक कहा था कि स्वतंत्र भारत की संसद में जो अंग्रेजी में बोलेगा, उसे हम छह माह की जेल करा देंगे। समाजवाद के पुरोधा डॉ. राममनोहर लोहिया ने तो देश में बाकायदा अंग्रेजी हटाओ आंदोलन चला दिया था लेकिन उ.प्र. की समाजवादी पार्टी भी इस मुद्दे पर मौन धारण किए हुए है।

सर्वत्र अंग्रेजी के एकाधिकार के कारण भारत के गरीब, विपन्न, ग्रामीण और मेहनतकश लोगों की हालत कार्ल मार्क्स के शब्दों में सर्वहारा की बनी हुई है लेकिन इन सर्वहारा की लूट पर मार्क्सवादियों की बोलती बंद क्यों है? मोदी ने जो कहा है, यदि वे वह करके दिखा दें तो दक्षिणपंथी कहे जानेवाले भाजपाई और संघी लोग वामपंथियों से भी अधिक प्रगतिशील साबित होंगे। यदि देश की सर्वोच्च शिक्षा और सर्वोच्च नौकरियां भी भारतीय भाषाओं के जरिए मिलने लगें तो देश के करोड़ों लोगों को सच्ची आजादी मिलेगी। जाति के नाम पर आरक्षण की चूसनियाँ लटकाकर उन्हें पटाने की जरुरत ही नहीं पड़ेगी।

कोर्ट का वाजिब दखल

हेट स्पीच रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उचित हस्तक्षेप किया है। इस दौरान उसने प्रशंसनीय टिप्पणियां की हैं। लेकिन हालात ऐसे हैं कि इस दखल से वास्तविक फर्क पडने की कोई ठोस संभावना नहीं उभरी है।

हेट स्पीच के मामले में सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने जो टिप्पणियां कीं, उनसे हर विवेकशील व्यक्ति सहमत होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस अफसोस में तमाम विवेकशील लोगों की भावनाओं का इजहार हुआ कि 21वीं सदी में हमारा समाज कैसी जुबान बोलने के स्तर तक गिर गया है। न्यायमूर्तियों ने संविधान के अनुच्छेद 51 का जिक्र किया, जिसमें भारत को वैज्ञानिक सोच का देश बनाने का लक्ष्य रखा गया था। आज जबकि इस सोच पर चौतरफा आक्रमण हो रहा है, तो सुप्रीम कोर्ट का उससे चिंतित होना लाजिमी है। तो कोर्ट अब पुलिस को आदेश दिया है कि हेट स्पीच की घटना होते ही वह अपनी पहल पर मामले दर्ज करे– यानी वह इस बात के इंतजार में ना बैठी रहे कि कोई केस दर्ज कराएगा, तब वह जांच–पड़ताल शुरू करेगी। सुप्रीम कोर्ट की सदिच्छा के लिहाज से यह आदेश उसका एक उचित हस्तक्षेप मामूल पड़ता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या कोर्ट की ये सदिच्छा पूरी होगी? मन में यह सवाल उठने के पीछे वजह यह है कि पुलिस कोई स्वतंत्र और संवैधानिक भावना से काम करने वाली एजेंसी नहीं है। बल्कि वह राज्य सरकार के मातहत है और अक्सर सरकार की राजनीतिक सोच या हित के अनुरूप काम करती नजर आती है।

अगर सत्ताधारी नेता ही हेट स्पीच को अपनी सियासी पूंजी मानते हों, तो फिर पुलिस उनकी इच्छा के खिलाफ जाकर कार्रवाई करेगी, यह उम्मीद रखना शायद भोलापन ही हो सकता है। फिर पुलिसकर्मी सामाजिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित नहीं रहते, यह मानने की भी कोई वजह नहीं है। आज जिन पूर्वाग्रहों को एक राजनीतिक परियोजना के रूप में फैलाया गया है, उससे पुलिसकर्मी प्रभावित हुए नजर आते हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठता है कि वे हेट स्पीच को वे कानून और संविधान की भावना के मुताबिक समझेंगे या परिभाषित करेंगे, अथवा जिस एकतरफा सोच का आज वर्चस्व है उससे प्रभावित होकर काम करेंगे? जब तक इन प्रश्नों पर स्पष्टता नहीं बनती, वास्तविक आस जगना संभव नहीं है। इसीलिए कोर्ट की टिप्पणियां सुनने में अच्छी लगीं, आदेश भी उचित लगा, लेकिन उससे वास्तविक फर्क पडने की कोई ठोस संभावना नहीं उभरी है।

मुफ्त की रेवड़ी बनाम जनहित

अरविंद केजरीवाल की अपनी राजनीति होगी। उनकी अपनी महत्वाकांक्षाएं होंगी। लेकिन माफ कीजिएगा शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह आपकी राजनीतिक सफलता या आपकी महत्वाकांक्षा पूरी करने का टूल नहीं हो सकते हैं। आप अपनी दो कौड़ी की राजनीति के लिए भगत सिंह या किसी भी शहीद के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। आपने और इस देश के नेताओं ने पहले ही गांधी...

अजय दीक्षित

मुफ्त का चंदन घिस रघुनंदन की तर्ज पर जनाधार विहीन राजनेताओं द्वारा मुफ्त की सौगात बांटने की राजनीति पर अब नकेल कसने की तैयारी है । इस मामले में पिछले दिनों शीर्ष अदालत की सख्त टिप्पणी और चुनाव आयोग की जवाबदेही तय करने की कोशिशों के बाद आयोग ने मुफ्त के प्रलोभनों को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के दायरे में लाने की कवायद शुरू की है । दरअसल, यह मामला अभी शीर्ष अदालत में लंबित है। अगस्त माह में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने इस मामले को नई पीठ को भेज दिया था । इससे पहले प्रधानमंत्री ने भी मुफ्त की राजनीति को देश के विकास में बाधक बताया था । दरअसल, कोर्ट द्वारा इस अपसंस्कृति को गम्भीरता से लेने के बाद सार्वजनिक विमर्श में शामिल मुद्दा जोर पकड़ रहा है । देश की आर्थिक नियमन से जुड़ी संस्थाएं भी चेताती रही हैं कि मुफ्त की राजनीति से राज्यों की अर्थव्यवस्था पर घातक प्रतिकूल असर पड़ता रहा है । क्या मजाक है कि पहले मुफ्घ्त की राजनीति को परवान चढ़ाया जाता है और फिर केन्द्र सरकार की संस्थाओं व बैंक से ऋण लेकर राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ाया जाता है । विडम्बना यही है कि देश में रेवड़ी संस्कृति पर लगाम लगाने के लिये कोई कारगर कानून नहीं है । इस बाबत शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने लाचारगी जतायी थी । तभी कोर्ट ने लॉलीपोप संस्कृति पर लगाम लगाने के लिये मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट को प्रभावी बनाने को कहा । कोर्ट ने आयोग को याद दिलाया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अन्तर्गत उसे चुनाव संचालन के लिये कारगर नियम बनाने का अधिकार है । अब इसी कड़ी में चुनाव आयोग ने आचार संहिता में संशोधन की बात कही है । आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा है कि वे अपने चुनावी घोषणा पत्र में उल्लेख करें कि जो वायदे वे कर रहे हैं, उन पर कितना खर्च आयेगा ? उसके लिये वित्तीय संसाधन कहां से जुटाएंगे ? आयोग ने इस बाबत 19 अक्टूबर तक जवाब मांगा है । साथ ही पूछा है राजनीतिक दल स्पष्ट करें कि उनकी मुफ्घ्त की घोषणाओं से किस वर्ग को लाभ होगा ? दरअसल,

आधारहीन राजनेता मुफ्घ्त की राजनीति के जरिये सफलता का शार्टकट तलाश रहे हैं । उन्हें लगता है । प्रलोभन की राजनीति से जनता उनके सुनहरे सपनों में खोकर उन्हें कुर्सी पर बैठा देगी । दरअसल, दक्षिण भारत से शुरू हुआ मुफ्घ्त देने का रोग पूरे देश पर लग गया है । विडम्बना यही है कि राजनीतिक दल आम जनता को स्थायी रोजगार देने वाली रचनात्मक विकास की योजनाएं बनाने और ढांचागत सुविधाओं को विस्तार देने के बजाय सब्जबाग दिखाने लगते हैं । सवाल है कि राजनेता पार्टी फंड व व्यक्तिगत संसाधनों से क्यों नहीं अपने मुफ्घ्त के वायदों को पूरा करते ? सरकारी धन से होने वाले खर्च का अन्तिम बोझ भी देश के करदाताओं पर ही पड़ता है । देश में कई बीमारू राज्य इस हालात की बानगी दर्शाते हैं । दीर्घकालीन व स्थायी विकास के बजाय प्रलोभन की राजनीति ने अंततरू जीवन स्तर में अपेक्षित सुधार को पलीता ही लगाया है । जैसा कि जाहिर था राजनीतिक दलों की तरफ से विरोध के स्वर उभरने लगे हैं । राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों को नियंत्रित करने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं । कुर्सी के लिये प्रलोभन के हथकण्डे अपनाकर अपनी नैय्या पार लगाने वाले नेताओं की कारगुजारी पर नकेल लगाने का वक्त आ गया है । जिसको लेकर सरकार को भी सख्त रवैया अपनाना चाहिये । बहरहाल, चुनाव आयोग की यह पहल स्वागत योग्य है। कोर्ट एवं चुनाव आयोग के बाद केन्द्र सरकार को भी इस दिशा में गम्भीर पहल करनी चाहिये । राजनीतिक दल भी पार्टी हितों के बजाय राष्ट्रीय सरोकारों को तरजीह दें । साथ ही देश के मतदाताओं को भी जागरूक करने के लिये मुहिम चलायी जानी चाहिये कि वे राज्य की अर्थव्यवस्था के हित में प्रलोभनों की राजनीति को सिरे से खारिज करें । दरअसल, एक चिन्ता यह भी है कि निश्चित परिभाषा न होने से रेवड़ी संस्कृति व कल्याण कार्यक्रमों में अन्तर करना भी कठिन होता है । बहरहाल यदि इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों में सहमति बनती तो स्वच्छ लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को बल मिलेगा ।

ऋषि की ताजपोशी

अगर अब भी किसी को इसमें कुछ खटक रहा है, तो वो ये सोच ले हमने उन्हें अपनी बेटी दी है। मां गंगा के बेटे हर जगह रिश्ते बना ही लेते हैं। तो फिर ये सोचने में क्या बुराई है कि इंग्लैंड हमारी बेटी का ससुराल है, वहां के प्रधानमंत्री हमारे दामाद हैं। कभी कोहिनूर की याद ज्यादा सताए तो ये सोच कर मन को तसल्ली दी जाएगी कि बेटी के ससुराल में नेग दिया है। दामाद को सिर–आंखों पर बिठाने की हिंदुस्तान ...

सर्वमित्रा सुरजन

ऋषि सुनक भारतीय मूल के हैं, इस बात का ढिंढोरा हजारों–लाखों बार पीटकर फिर से उसे दोहरा कर खुशियां मनाई जाने लगीं। ठुमक–ठुमक चलते बाल कृष्ण और राम जी को देखकर माता यशोदा और माता कौशल्या जितना निहाल नहीं होती होंगी, उससे ज्यादा खुशी ऋषि सुनक को राजा चार्ल्स तृतीय से भेंट करते देख कर जताई गई। 90 के दशक में एक गीत मशहूर हुआ था, पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा, बेटा हमारा ऐसा काम करेगा। तो ऋषि सुनक में वैसा ही बेटा ममतामय भारतीयों ने देखा।

एकै साधे सब सधै, सब साधै सब जाय।
रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूलै फलै अघाय।।

रहीमदास जी ने तो दो पंक्तियों के माध्यम से गहरा ज्ञान दिया था। इस ज्ञान को कौन कितना आत्मसात करता है, यह तो सबकी अपनी समझदारी है। लेकिन फिलहाल ऐसा लग रहा है कि भारत के अधिकतर लोगों ने दूसरी पंक्ति को जरा ज्यादा गंभीरता से लेना शुरु कर दिया है। खासकर जब से ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हिंदूवादी, राष्ट्रवादी लोगों की मूल शब्द को लेकर सनक कुछ ज्यादा ही दिखाई दे रही है।

खबरें आ रही हैं कि इस वक्त कहां–कहां भारतीय मूल के नेता राज कर रहे हैं। जैसे पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा भी भारतीय मूल के हैं। उनके दादा गोवा के थे। मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ भी भारतीय मूल के हैं, उनके पिता अनिरुद्ध जगन्नाथ भी मॉरीशस के बड़े नेता रहे हैं। यहां के राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन की जड़ें भी भारत से जुड़ी हैं। सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब के पिता भारतीय मूल के थे, जबकि उनकी मां मलय थीं।

सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी भारतीय–सूरीनामी हिंदू परिवार के हैं। गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली के पुरखों की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। सेशेल के राष्ट्रपति वावेल रामकलावन भी भारतीय मूल के नेता हैं, उनके पुरखे बिहार से थे। मोदीजी ने उन्हें भारत का बेटा कहा था। और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की मां भी भारतीय थीं। इन नेताओं के अलावा कई देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति में काफी सक्रिय हैं। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भारतीय मूल के लोग शीर्ष पदों पर विराजमान हैं। ये सारे लोग अलग–अलग हैं, लेकिन दो बातें इनमें एक जैसी हैं।

पहली तो यही कि इन सबके पुरखों का ताल्लुक किसी न किसी तरह भारत से था, लिहाजा ये भारतीय मूल के कहलाएं और दूसरी ये कि अब ये सारे लोग भारत छोड़ चुके हैं और ऐसी कोई उम्मीद नहीं कि ये कभी भारत आकर बसेंगे। भारत से दूर, ये लोग जहां हैं खुश हैं और हम भारत के लोग इन्हें देख–देख कर खुश हैं। रहीमदास जी की बात मानते हुए हम मूल को अपने प्यार–दुलार से सींच रहे हैं, हालांकि इसके फल–फूल किसे मिलेंगे, कौन इन्हें पाकर अघाएगा, ये कहना कठिन है।

वैसे ये सारे देश एक ओर, और अमेरिका–ब्रिटेन एक ओर। हमारी सांवली त्वचा के भीतर सांस ले रही नस्लवादी सोच इस बात से ही प्रसन्न है कि इन देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति में इतना ऊंचा बढ़ गए हैं। अमेरिका में तो राष्ट्रपति की कुर्सी कभी किसी भारतीय मूल के व्यक्ति को मिलेगी या नहीं, ये भविष्य में है। लेकिन भारतीय मूल का व्यक्ति ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बन गया, आजादी के अमृतकाल में इससे बड़ी बात क्या हो सकती है, फिलहाल ऐसे विचार थोक के भाव में इधर से उधर प्रचारित, प्रसारित हो रहे हैं। किसी को ऋषि सुनक के हिंदू होने पर गर्व महसूस हो रहा है। कोई इस बात पर इतरा रहा है कि ऋषि सुनक ने हमेशा अपनी हिंदू पहचान को शान से सबके सामने पेश किया है। दीपावली के मौके पर ऋषि सुनक के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने की खबर आई और उससे एक दिन पहले विराट कोहली ने क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को मात दे दी थी। बस इन दो कारणों से दीपावली की खुशियां बहुत से लोगों के लिए दोगुनी हो गईं। फिर क्या प्रदूषण और क्या महंगाई, किसी बात की परेशानी शहरी मध्यवर्ग और उच्चवर्ग को नहीं रही।

ऋषि सुनक भारतीय मूल के हैं, इस बात का ढिंढोरा हजारों–लाखों बार पीटकर फिर से उसे दोहरा कर खुशियां मनाई जाने लगीं। ठुमक–ठुमक चलते बाल कृष्ण और राम जी को देखकर माता यशोदा और माता कौशल्या जितना निहाल नहीं होती होंगी, उससे ज्यादा खुशी ऋषि सुनक को राजा चार्ल्स तृतीय से भेंट करते देख कर जताई गई। 90 के दशक में एक गीत मशहूर हुआ था, पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा, बेटा हमारा ऐसा काम करेगा। तो ऋषि सुनक में वैसा ही बेटा ममतामय भारतीयों ने देखा। इन्हें अपने बेटों से शायद कोई उम्मीद नहीं रही है। हो भी नहीं सकती। क्योंकि हमने अपनी संतानों को उड़ान भरने के लिए इतना खुला आसमान दिया ही कहां। हमारी संतानें स्कूल और कालेज में दाखिलों के धक्के खाती हैं। वहां किसी तरह पढ़ने मिल जाए, तो अंग्रेजी–हिंदी के झगड़े में उलझा दी जाती हैं। विश्वविद्यालयों में महंगी फीस और छात्रावास का खर्च हमारे बच्चों की पढ़ाई रोक रहा है। इस बाधा को किसी तरह पार कर लें तो नौकरियों के नाम पर उन्हें चप्पल घिसने पर मजबूर किया जा रहा है। नौकरी और पढ़ाई की कमी महसूस न हो, इसका भी उपाय सरकार ने ढूंढ निकाला है। कभी ये बच्चे धार्मिक शोभायात्राओं में शामिल होकर संस्कारी बनने का प्रशिक्षण लेते हैं, कभी धर्म की रक्षा के लिए पहली पंक्ति में खड़े होने का साहस दिखाते हैं। करोड़ों बेटे–बेटियां इसी में लगे हुए हैं, और पापा का नाम कर सके, ऐसा काम करने की फुर्सत ही उनके लिए सरकार ने नहीं दी है। ऋषि सुनक के बारे में ये बात भी खूब प्रचारित की जा रही है कि उनके पुरखे मौजूदा पाकिस्तान से निकले थे, फिर केन्या पहुंच गए और उसके बाद ब्रिटेन चले गए। ऋषि सुनक का जन्म भी ब्रिटेन में ही हुआ और वहीं उनका अब तक का जीवन भी बीता। लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है कि ऋषि सुनक कहां पैदा हुए, मूल मुद्दा तो मूल का है।

हुल्लादास बाबा देवस्थान का वार्षिक मेला शुरू

तीन दिवसीय मेले का जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार गुप्ता ने किया उद्घाटन

पहला (सीतापुर)। विकासखंड पहला की ग्राम पंचायत अकबापुर के जंगल क्षेत्र में हुल्लादास बाबा देवस्थान का वार्षिक मेला शाम को शुरू हो गया। हर साल भैय्या दूज के दिन से लगने वाले तीन दिवसीय मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार गुप्ता व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रामधार वर्मा ने फीता काटकर किया। उद्घाटन अवसर पर शिवकुमार गुप्ता ने कहा कि बाबा का यह दिव्य स्थान क्षेत्रीय लोगों के अलावा दूसरे जनपद के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। भाजपा शासन की तारीफ की और कहा कि हम काम में विश्वास रखते हैं और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराने का प्रयास करेंगे। मेले की प्रथम रात्रि में धार्मिक रामलीला पार्टी के कलाकारों ने देवी देवताओं की सजीव झांकियां प्रस्तुत कर देवी मां की आरती कराई तथा रात्रि में राम बनवास केवट संवाद नाटक का मंचन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार गुप्ता ने बाबा हुल्लादास की समाधि पर माथा टेका और प्रसाद लेकर अपने सहयोगियों के साथ संकट मोचन हनुमान मंदिर, शनि देव मंदिर व काली देवी मंदिर जाकर दर्शन किया। इस मौके पर मेला प्रबंधक रामचंद्र मौर्य के अलावा पवन मौर्य, जितेन्द्र वर्मा, रामसिंह पटेल, रंजीत मौर्य, विजय सिंह, सर्वेश वर्मा, बीरेंद्र सिंह, अतीक अहमद, उपेन्द्र कुमार, विश्व हिंदू परिषद पदाधिकारी के के सिंह व आनंद श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

नगर में बढ़ रहा मच्छरों का प्रकोप, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से प्रभावित लोग

बिसवां नगर (सीतापुर)। नगर में बढ़ रहे मच्छरों के प्रकोप के कारण आम जनमानस मच्छरजनित जानलेवा रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से प्रभावित हो रहा है। बीते दिनों ही नगर के एक अधिवक्ता को इसी कारण पुत्र शोक हुआ था और इन रोगों से नगर के तमाम लोग प्रभावित हैं और दूसरे जनपदों के निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। डेंगू मलेरिया जैसे तमाम जानलेवा रोगों से निजात दिलाने व साफ सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त कराए जाने की माँग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता व जिला पंचायत के पूर्व सदस्य आशीष गुप्ता ने उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार बिसवाँ को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के द्वारा माँग की गई कि तत्काल नगर में गुणवत्तायुक्त फॉगिंग, एंटीलार्वा दवाई का छिड़काव कराया जाए। कूड़े के ढ़ेरों को हटवाकर नालियों की साफ सफाई कराई जाये। स्वास्थ्य केंद्र को इन रोगों के इलाज के लिए समुचित संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि स्थानीय स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सविधा उपलब्ध हो सके। ज्ञापन देते समय पूर्व जिला पंचायत सदस्य आशीष गुप्ता ने कहा कि पालिका प्रशासन के द्वारा नगर में बहुत ही घटिया गुणवत्ता की फॉगिंग कराई जा रही है।

जिस कारण मच्छरों की रोकथाम नहीं हो पा रही है। यदि पालिका प्रशासन पहले ही सजगता से इन रोगों की रोकथाम कर लेता तो अनायास ऐसे ही किसी की जान न जाती। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष अमरनाथ मेहरोत्रा, एडवोकेट रजनीश मिश्रा व अन्य लोग रहे।

अवशेष प्रबंधन में पेंटिंग निबंध प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिए गए प्रमाण पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी

विश्वविद्यालय अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में चल रहे इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों ने केंद्रीय विद्यालय सिद्धार्थनगर के विद्यार्थियों के बीच मोबिलाइजेशन ऑफ स्कूल स्टूडेंट कार्यक्रम चलाया गया जिससे खेत में पराली न जलाने एवं उसकी प्रबंधन पर किसानों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। केंद्रीय विद्यालय सिद्धार्थनगर के प्राचार्य अश्वनी कुमार राय ने बताया विद्यार्थी किसान के परिवार से होते हैं। फसल अवशेष प्रबंधन मैं जो काफी सहायक होगा। विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव व पर्यावरण सम्बन्धी दुष्परिणाम को समझाया। फसल अवशेष प्रबंधन विकल्प में अवशेषों को पशुचारा अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए इकट्ठा करना, अवशेषों को मिट्टी में मिश्रित करने पर काफी विस्तार से चर्चा किया। कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार, डॉ एस एन सिंह व डॉ एस के मिश्रा ने विद्यार्थियों के बीच पेंटिंग निबंध प्रतियोगिता प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम करा कर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। पेंटिंग निबंध प्रश्नोत्तरी करा कर दिए गए पुरस्कारों पेंटिंग में प्रथम मानसी राय द्वितीय शुभी द्विवेदी तृतीय श्रेया कसौधन निबंध में प्रथम नंदिनी द्वितीय दिव्या रानी मिश्रा तृतीय वैभव कर पाठक प्रश्नोत्तरी में प्रथम दिव्या रानी मिश्रा द्वितीय शुभम कनौजिया तृतीय मानसी राय कृषि वैज्ञानिक व प्रधानाचार्य के हाथों दिया गया प्रमाण पत्र। जिसमें 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कोतवाली शहर पुलिस ने डबल मर्डर केस का किया खुलासा

गाली गलौज के चलते हुआ था डबल मर्डर, हत्यारे पिता व दो बेटे गिरफ्तार

हरदोई।जिले के कोतवाली शहर थानाक्षेत्र के गांव भदैचा में हुए डबल मर्डर केस का शहर कोतवाली पुलिस ने खुलासा कर हत्यारोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने आहूत पर प्रेस वार्ता में दी।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि 26 अक्टूबर को हुए डबल मर्डर की सनसनीखेज घटना के बाद शिवम सिंह पुत्र शिव कुमार सिंह उर्फ बाबू सिंह द्वारा थाने पर सूचना दी थी कि भदैचा के ही रहने वाले गुड्डु सिंह,सौरभ सिंह व रमन सिंह तथा राजन सिंह पुरानी रंजिश के चलते लाठी–डण्डों, लाइसेंसी राइफल व अवैध शस्त्रों के साथ उसके परिवार पर हमलावर हो गये थे। इस दौरान उक्त विपक्षियों ने शिवम के परिवार के ऊपर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी थी जिसमें उसके पिता व भाई की मृत्यु हो गयी थी एवं परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गये थे।

एसपी श्री द्विवेदी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि भदैचा में हुए डबल मर्डर के आरोपी कुतुआपुर बाजार तिराहे पर कही भागने की फिराक में खड़े हैं,जिसके बाद कोतवाली शहर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कुतुआपुर बाजार तिराहा पुलिया के पास से भदैचा निवासी राजीव कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह पुत्र स्व रामकुमार सिंह,सौरभ सिंह पुत्र गुड्डू सिंह व रमन सिंह पुत्र गुड्डू सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एसपी राजेश द्विवेदी ने प्रेसवार्ता में बताया कि पकड़े गये तीनों अभियुक्तों से जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर की शाम भदैचा के रहने वाले शिवकुमार सिंह उर्फ बाबू सिंह पुत्र रामनारायन सिंह तथा उनके लडकों अवनीत कुमार सिंह उर्फ लकी व नवनीत सिंह उर्फ शिवम सिंह से गाली गलौज करने को लेकर विवाद हो गया था जिसमें हम तीनों के अलावा मेरे परिवार का राजन सिंह पुत्र सन्जू सिंह भी मौजूद था। लडाई झगडा इतना बढ़ गया कि हम लोगो से बर्दास्त नहीं हुआ और हम लोंगो ने एकराय होकर अपनी लाइसेन्सी रायफल, देशी तमन्चों एवं डन्डे से मारते हुये फायर कर दिया, जिससे बाबू सिंह व उसके पुत्र लकी की मृत्यु हो गयी। एसपी ने बताया कि तीनों अभियुक्तगणों की निशादेही पर गांव के अन्दर बनी कच्ची कोठरी के अन्दर से आलाकत्ल लाइसेंसी राइफल, दो अवैध तमंचे 315 बोर, 04 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर एवं एक अदद आलाकत्ल बांस का डण्डा बरामद कर लिया है। श्री द्विवेदी ने सनसनीखेज हत्याकांड के आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए कोतवाली शहर पुलिस टीम को 20 हजार रूपये का पुरस्कार भी दिया है। भदैचा हत्याकांड के आरोपियों को गिरफ्तार करने में शहर कोतवाल संजय कुमार पाण्डेय,उनि संतोष कुमार शुक्ला,उनि मुईन अहमद खां,का काशीराम, का कृष्ण कुमार रावत,का जोगेन्द्र पाल व का अजय कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिशन शक्ति अभियान के द्वारा एण्टीरोमियो टीम ने छात्राओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शनिवार को

कर्मा थाना की एण्टीरोमियों टीम की प्रभारी महिला कांस्टेबल प्रगति तिवारी द्वारा अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले कॉलेज बाबा बिहारी इंटर कालेज भरकवाह में बालिकाओं को आत्मसुरक्षा के लिये जागरुक किया गया तथा उनकी सुरक्षा के सम्बंध में वार्ता कर उन्हें बालिकाओंध्महिलाओ की सुरक्षा हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों एवं नियमों तथा महिलाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अन्य अपराधों पर कानूनी कार्रवाई के सम्बंध में विस्तृत रुप से जानकारी देकर उन्हें जागरुक किया। वर्तमान समय मे हो रहे विभिन्न तरीकों के साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गयी। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस–पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930ध112,1098,181,1076,108 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

तनाव से मुक्ति के लिए हार्टफुलनेस ध्यान जरुरीः राजकुमार

- पहले दिन इंस्पेक्टर समेत 97 पुलिसकर्मियों ने लिया हिस्सा
- चुर्क पुलिस लाइन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चुर्क पुलिस लाइन में शनिवार को प्रातः 7.00 बजे से आयोजित तीन दिवसीय हार्टफुलनेस ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहले दिन इंस्पेक्टर समेत 97 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। हार्टफुलनेस प्रशिक्षक राजकुमार ने कहा कि तनाव से मुक्ति के लिए हार्टफुलनेस ध्यान जरुरी है। कहा कि तनाव से मुक्ति के लिए हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन यानी शिथिलीकरण के माध्यम से सभी को तनाव से मुक्ति का अनुभव कराया गया। हार्टफुलनेस ध्यान के बारे में कहा कि किसी एक वस्तु के बारे में निरंतर सोचना तथा उसके बाद उसका अनुभव करना ही हार्टफुलनेस ध्यान है। प्रशिक्षक रवि द्वारा योगिक ट्रांसमिशन के साथ सुबह 7 बजे से 7.45 बजे तक सभी को ध्यान कराया गया।

पुलिस लाइन सोनभद्र में प्रतिसार निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में तीन दिवसीय हार्टफुलनेस कार्यक्रम के प्रथम सत्र में 97 इंस्पेक्टर, हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को हार्टफुलनेस तनाव मुक्ति एवं ध्यान कराया गया। इसके बाद तनाव मुक्ति के लिए हार्टफूलनेस रिलैक्सेशन यानी शिथिलीकरण के माध्यम से सभी को तनाव मुक्ति का अनुभव कराया गया।

ध्यान के बारे में सभी को जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी एक वस्तु के बारे में निरंतर सोचना तथा उसके बाद उसका अनुभव करना हार्टफुलनेस ध्यान है। हार्टफुलनेस प्रशिक्षक भाई राजकुमार एवं भाई रवि द्वारा योगिक ट्रांसमिशन के साथ सभी को ध्यान कराया गया। सत्र के दौरान हार्टफुलनेस संस्था के वॉलिंटियर भाई ज्ञानेंद्र, भाई अशोक कुमार भाई संजीव भाई मदन मोहन ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम के आयोजन में योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में भाई गोपाल द्वारा अगले दिन दूसरे सत्र के लिए सभी को आमंत्रित किया गया तथा धन्यवाद दिया गया।

कुएं में गिरने से एक व्यक्ति की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंढमगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मेदनीखाड के हरिजन बस्ती में शौच के दौरान बीती रात लगभग 9.00 रामसजन राम उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र स्वर्गीय हरीराम का कुएं में गिरने से मौत हो गई सूचना पर पहुंचे विंढमगंज एसआई सुरेंद्र सिंह ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुएं से बाहर निकलवा कर पंचनामा कराने के पश्चात अंत्य परीक्षण हेतु दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मेदनीखाड के हरिजन बस्ती निवासी राम सज्जन राम अपने पुश्तैनी खेत लगभग 15 बिस्वा में धान की फसल लगाया है फसल को बीती रात घर से लगभग 50 मीटर दूर भाटे कुए के पास शौच के दौरान कुएं में गिरने से मौत हो गई। मौके पर मौजूद मृतक का पुत्र नागेंद्र कुमार ने थाने में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि बीती शाम को लगभग 8.00 से 9.00 के बीच मेरे पिताजी शौच व धान की फसल को पानी पटाने के लिए निकले थे ऐसा लगता है कि अंधेरा होने के कारण भट्ट कुएं में पैर फिसलने से जा गिरे और कुए के अंदर पत्थर से टकरा कर सर फट जाने के कारण उनकी मृत्यु हो गई, रात्रि से ही घर वापस नहीं आने के कारण परिजन काफी परेशान थे आज सुबह उक्त कुए की ओर जब जाकर देखा गया तो मृत अवस्था में शव कुएं में ही पड़े हुए हैं मृतक के 3 पुत्री व दो पुत्र हैं जिसमें दो पुत्री की शादी हो चुकी है एक पुत्री व 2 पुत्र का विवाह नहीं हुआ है घटना की खबर जैसे ही परिजनों को हुआ परिजनों में कोहराम मच गया। गांव के दर्जनों लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंचे थाने के एसआई सुरेंद्र सिंह ने शव को निकलवा कर पंचनामा कराने के पश्चात अंत्य परीक्षण हेतु दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

दबंगों ने पिता पुत्र पर किया जानलेवा हमला, हालत गंभीर

हरदोई।थाना क्षेत्र के अंतर्गत दबंगों का कहर एक पिता पुत्र पार जमकर टूटा जिसमें दबंगों द्वारा किए गए हमले में पिता का गंभीर रूप से घायल हो गए और उसका सिर फट गया, वहीं पिता को बचाने आए पुत्र को भी दबंगों ने लाठी–डंडों से पीट दिया, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोटें आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ,ग्राम सभा गोपार के मजरा रामपुर निवासी राजकिशोर पुत्र रामजीवन रोज की तरह अपनी टेंपो बघौली से सवारी भरकर प्रतापनगर को ले जा रहा था ,तभी रास्ते में गांव गोपार में दूबर पुत्र शिवराम के घर के सामने छोटकके पुत्र बृजमोहन उर्फ कल्लू मुकेश पुत्र हेमनाथ, महेश पुत्र बालक एक अज्ञात व्यक्ति के साथ गांव गोपार में पहले से घात लगाए बैठे थे, जैसे ही टेंपो गोपार गांव के पास पहुंचा, टेंपो चालक राजकिशोर पुत्र रामजीवन उसका लड़का पुत्र मनीष को इन लोगों ने रोककर गाली गलौज करने लगे।उसके बाद उनको मना करने पर यह लोग धारदार हथियार व लाठी–डंडों से पीटने लगे, जब पीड़ित ने शोर मचाया तो लोग दौड़ पड़े।

उसके बाद यह लोग गाली गलौज व जानमाल की धमकी देकर वहां से भाग निकले। पीड़ित राजकिशोर व लड़के ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार ने तहरीर लेकर पीड़ित राजकिशोर व उनके लड़के को डॉक्टरी जांच के लिए सीएचसी कछौना भेज दिया। कल्लू पूर्व में प्रधान पद का प्रत्याशी भी रहा था ,जिसमें उसे बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। इसी हार से बौखलाए कल्लू आए दिन लोगों को प्रधानी में वोट न देने के कारण लोगों को धमकी भी दिया करता था और आश्वासन दिया कि दोषी व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल यह है कि पुलिस द्वारा पीड़ित को कहां तक न्याय मिलता है।

डॉ. रिजवी स्प्रिंगफील्ड स्कूल में हुआ एलुमिनाई मीट का आयोजन

कौशाम्बी । करारी स्थित डॉ. रिजवी स्प्रिंगफील्ड स्कूल में एलुमिनाई मीट 2.0 का आयोजन किया गया। जिसमे विद्यालय के पूर्व छात्र विद्यालय प्रांगण में एकत्र हुए। सभी छात्रों का स्वागत किया गया। पूर्व छात्रों ने अपने द्वारा प्राप्त उपलब्धि को मंच के माध्यम से अध्ययनरत छात्रों के साथ साझा किया।

डॉ. रिजवी स्प्रिंगफील्ड स्कूल में आयोजित एलुमिनाई मीट 2.0 में पूर्व के रहे छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से पूर्व में रहे विद्यालय के छात्र छात्राओ का इमोजी टैग लगाकर और मुह मीठा कराकर विद्यालय में स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत के माध्यम से किया गया। एजुकेशनल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव सादिक हुसैन रिजवी ने पुरा छात्र उपलब्धियों की खूब प्रशंसा की। कॉलेज के प्रबन्धक कर्रार हुसैन रिजवी ने कहा कि छात्रों को चाहिए कि वह पुरा छात्रों से सीख लेने लें । विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र पाण्डेय ने अतिथियों का फूलों की माला पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आये पूर्व में पढ़ें हुए छात्र अपने पुराने साथ और अपने अध्यापको से मिल कर आनंदित हो उठे। लगभग सभी छात्र किसी न किसी बड़े पद पर सेवारत है। सभी छात्रों ने मंच के माध्यम से अपने अनुभव अध्ययनरत छात्रों से साझा किया। डॉ. रिजवी स्प्रिंगफील्ड स्कूल की प्रबंधक लुबना फातिमा ने सभी छात्रों को धन्यवाद प्रेषित किया। इस मौके पर शैलेन्द्र सिंह, सना अब्बास, कफील अहमद, शमीम रजा, ओम शंकर पाण्डेय, फर्रुख अब्बास, गुलफाम आलम आदि अध्यापक सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

छठ पर्व की खरीददारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। कस्बा व ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों

में छठ पर्व के लिए विभिन्न वस्तुओं की खरीददारी के लिए शुक्रवार को काफी भीड़ उमड़ी। इस वर्ष रविवार को सांध्य अर्घ्य व सोमवार को भोरवा अर्घ्य श्रद्धालुओं द्वारा दिया जाएगा। कस्बा के रेहरा बाजार, उसका राजा, तेतरी सहित सोहास, भठिया आदि बाजारों में शुबह से दुकानदार विभिन्न प्रकार के फल, सब्जी आदि की दुकान सजाए बैठे रहे। दोपहर तक खरीददारों की काफी भीड़ जुट गई। व्रती परिवार के लोग सूपा, सेव, केला, अनार, अदरक, मूली, लौकी, पपीता, नारियल, अंगूर, चुकंदर आदि की खूब खरीददार किये है।

किसान इंटर कालेज पर बाइक दौड़ हुआ

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। कस्बा के किसान इण्टर कालेज

उसका बाजार पर प्रधानाचार्य गोपेश्वर चौबे की अगुवाई में शुक्रवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत मोटरसाइकिल दौड़ हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य गोपेश्वर प्रसाद चौबे ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व तथा कृतित्व के बारे में जानकारी दी।इस कार्यक्रम को अशोक कुमार यादव,सुनील कुमार पाण्डेय, राघवेंद्र प्रताप सिंह ने भी संबोधित किया। इसमें वीरेंद्र पाण्डेय, राम उजगिर पाण्डेय, कृष्ण कुमार पाठक, सर्वेश उपाध्याय, राजेश यादव, मनोज शर्मा, राम दरस यादव, प्रमोद पाण्डेय, राम आशीष मौर्या, अनिल चौबे, पवन, शिव कुमार ,नूर आलम आदि शामिल रहे।

जिले में भी हैं 281 जर्जर परिषदीय स्कूल भवन

देवरिया। जनपद में भी ऐसे 281 जर्जर परिषदीय स्कूल भवन हैं, जो खतरे से खाली नहीं हैं। और अब भी यहां विद्यार्थी जान हथेली पर रखकर पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि 381 विद्यालय ऐसे हैं, जिनका ध्वस्तीकरण हो चुका है या इसकी प्रक्रिया चल रही है। इधर, महानिदेशक स्कूली शिक्षा ने आदेश दिया है कि प्रधानाध्यापक अब यह प्रमाणपत्र देंगे कि चिह्नित जर्जर भवनों में पढ़ाई नहीं हो रही है। इसके बाद जिले स्तर पर भी इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। जनपद में वर्तमान में 2120 परिषदीय स्कूल हैं। जर्जर परिषदीय स्कूल भवनों में रोक के बावजूद कई जगह अब भी कक्षाएं संचालित हो रही हैं। शिकायतों के बाद शासन ने गंभीर रुख अपनाया है। अब प्रधानाध्यापकों को यह प्रमाणपत्र देना होगा कि ऐसे भवनों में पढ़ाई नहीं हो रही है। बीएसए हरिश्चंद्र नाथ ने बताया कि जर्जर स्कूली भवनों को चिह्नित कर एवं ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। अब तक जनपद में कुल 381 विद्यालय भवनों का ध्वस्तीकरण एवं नीलामी प्रक्रिया करा ली गई है। 281 नए ऐसे चिह्नित विद्यालय भवन हैं, जिन्हें निष्प्रयोज्य घोषित किया गया है। इनका मूल्यांकन समिति की ओर से कराया जा रहा है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह पहल की जा रही है। शासन के आदेश के बाद ऐसे विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से वहां पढ़ाई न होने का प्रमाणपत्र लिया जाएगा। रुद्रपुर क्षेत्र में सर्वाधिक हैं जर्जर स्कूल भवनः जिले में बनकटा में 32, लार दो, रामपुर कारखाना 22, बैतालपुर 11, पथरदेवा 15, देसही देवरिया 18, भलुअनी 20, रुद्रपुर 49, बरहज 16, तरकुलवा 14, गौरीबाजार 14, देवरिया सदर छह, भागलपुर छह, भटनी नौ, सलेमपुर 19, भाटपाररानी 24, नगर क्षेत्र देवरिया चार।

नगर पालिका के वार्डों का नक्शा तैयार

देवरिया। नगर पालिका देवरिया का नया नक्शा तैयार हो गया है। सीमा विस्तार में शामिल 23 गांवों को वार्डों में जोड़कर मानचित्र बनाया गया है। जबकि आपत्तियों का निराकरण काफी माथापच्ची कर किया गया है। वहीं, रैपिड सर्वे में भी आंशिक बदलाव हुआ है। नगर पालिका क्षेत्र का भूगोल बदल गया। ग्राम विकास के नक्शे से हटे 23 गांवों को नगर पालिका के मानचित्र में दर्शा दिया गया है। नए नक्शा के अनुसार इन गांवों की वजह से 25 की जगह 33 वार्ड हो गए हैं। नए सिरे से बने मानचित्र को पूरा कर शासन को भेजा जाना है। नए नक्शे के अनुसार अधिकतर पुराने वार्डों में बदलवा किया गया है। इसमें नए क्षेत्र जोड़े गए हैं। जबकि दूसरी तरफ आपत्तियों का निराकरण होने के बाद कर्मचारी आख्या तैयार करने में जुटे हुए हैं। कारण यह कि निराकरण आख्या शासन को भेजी जानी है। **रैपिड सर्वे के आंकड़ों में बदलावः देवरिया।** नगर पालिका परिषद ने रैपिड सर्वे में कुछ बदलाव भी किए हैं। कुछ दिन पहले बड़हरा को लेकर कुछ लोगों ने शिकायत की थी। इसे कर्मचारी ने दुरुस्त किया है। इसमें 1179 पिछड़ी जाति थी, अब 2832 हो गई है। जबकि कुछ अन्य वार्डों में बदलाव होने की संभावना जताई जा रही है। **नगर पालिका परिषद एक नजरः** कुल आबादी 1,82,145 ओबीसी 68,371 अनुसूचित 17,022 अनुसूचित जन जाति 3757 सामान्य 92,995 वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया तेजः देवरिया। नगर विकास विभाग के प्रमुख अमृत अभिजात की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि वार्डों का आरक्षण चक्रानुक्रम के अनुसार होना है। इसे चार नवंबर तक पूरा हो जाना है। पहले के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग अथवा महिला के आरक्षित हो चुका है। वह इस चुनाव में उस वर्ग के लिए आरक्षित नहीं होगा। यह वार्ड अन्य वर्ग के लिए आरक्षित होगा। सबसे पहले वार्डों को अवरोही क्रम (घटते क्रम) में रखा जाएगा।

दोआबा में घटी छठ पूजा की रौनक

एकौना। दोआबा में इस बार छठ पूजा की रौनक घट गई है। पिड़रा पुल पर कटान होने से व्रती महिलाएं भगवान सूर्य को अर्घ्य नहीं दे पाएंगी। कटान होने से पुल के निकट लोग छठ वेदी नहीं बना पा रहे हैं। वहीं, कटान स्थल पर निरोधात्मक कार्य करने के लिए लोक निर्माण विभाग पानी घटने का इंतजार कर रहा है। रुद्रपुर–करहकोल मार्ग पर पिड़रा पुल का एप्रोच और सड़क कटने से 34 दिन से आवागमन बंद है। गोर्रा नदी के किनारे पिड़रा पुल के करीब आसपास गांव की महिलाएं छठ पूजा करने के लिए पहुंचती हैं। यहां नदी खतरनाक ढंग से एक महीने से कटान कर रही है। सड़क और पुल के एप्रोच को काट चुकी नदी पिड़रा गांव की तरफ बढ़ रही है। पिड़रा पुल से पुलिस ने पैदल आवागमन पर रोक लगा दी है। इससे छठ पूजा की रौनक घट गई है। पचलड़ी चौराहे पर छठ पूजा सामान की दुकानें हर साल की अपेक्षा कम लगी हैं। दशहरा त्योहार फीका पड़ने के बाद दुकानदार अब छठ पर दुकानदारी नुकसान होने से चिंतित हैं। पचलड़ी की मंजू देवी ने कहा कि दशहरे का त्योहार दोआबा के लोग ठीक ढंग से नहीं मना पाए। पिड़रा पुल की कटान होने से छठ पूजा भी प्रभावित हो रही है। छठ पूजा करने के लिए नदी के दूसरे घाट पर जाना पड़ेगा। सुमन देवी ने कहा कि आवागमन बंद होने से बाजारों में खरीदार नहीं पहुंच पा रहे हैं। रुद्रपुर बाजार में जाने के लिए महिलाओं को अधिक दूरी तय कर पहुंचना पड़ रहा है। परंपरागत नदी घाट पर सूर्य उपासना के लिए वेदी नहीं बन पा रही है। विभाग एक माह से कटान रोकने के लिए निरर्थक प्रयास कर रहा है।

विशेष स्वच्छता अभियान में फरेंदा ब्लॉक को प्रदेश में नंबर –वन

महराजगंज। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए जिले में चलाए गए विशेष स्वच्छता अभियान में शनिवार तक का प्रदर्शन जिले के लिए खास रहा है। फरेंदा ब्लॉक ने जहां स्वच्छता के मामले में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, वहीं प्रदेश के टाप 100 ब्लॉकों में भी जिले के पांच ब्लॉकों ने स्थान बनाने में सफलता पाई है। प्रदेश की ओर से एक अक्तूबर से 31 अक्तूबर के बीच में प्रत्येक जिले में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई के बिंदु पर प्रतिदिन रिपोर्ट भी एकत्र करते हुए ब्लॉकवार रिपोर्ट भी जारी की जा रही है। शनिवार को पंचायती राज निदेशालय की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक जिले के फरेंदा ब्लॉक ने 2066 कार्यों को कराते हुए प्रदेश में पहला व 1160 कार्यों को कराते हुए निचलौल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है, वहीं सीतापुर जिले के ऐलिया ब्लॉक ने 1327 कार्यों को कराते हुए प्रदेश में दूसरा तथा बिसवान ब्लॉक ने 1073 कार्य कराते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया है, पांचवें स्थान पर 950 कार्यों को कराते हुए देवरिया जिले के गौरी बाजार ब्लॉक ने स्थान बनाया है। **जिले के अन्य ब्लॉकों की यह रही स्थितिः** स्वच्छता संबंधी 583 कार्यों को कराते हुए पनियरा ने 66वां, 569 कार्यों को कराते हुए सदर ने 76वां, 559 कार्यों को कराते हुए घुघली ने 80वां स्थान प्राप्त किया है। बृजमनगंज 493 कार्य को कराते हुए 110 वें, परतावल 463 कार्य को कराते हुए 126वें, मिठौरा 312 कार्यों को कराते हुए 293वें, रतनपुर 305 कार्यों को कराते हुए 313वें, सिसवा 254 कार्यों को कराते हुए 405वें, लक्ष्मीपुर 156 कार्य को कराते हुए 559वें तथा धानी 152 कार्य को कराते हुए प्रदेश मे 567वें स्थान पर है।

पिड़रा पुल से तीन नवंबर से आवागमन होगा शुरू

● डीएम ने की पिड़रा पुल के एप्रोच मार्ग की मरम्मत की समीक्षा

● आदर्श चौराहे पर रूट डायवर्जन का बोर्ड लगाने के दिए निर्देश : डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यकक्ष में पिड़रा पुल के एप्रोच मार्ग के मरम्मत कार्य की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनहित में एप्रोच मार्ग का मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कर आवाजाही लायक बनाने के निर्देश दिए। मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक लोगों को सजग रहने को कहा गया। बैठक के दौरान डीएम को पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता आरके सिंह ने बताया कि गोर्रा नदी के जलस्तर एवं तेज प्रवाह की वजह से मरम्मत कार्य प्रभावित हो रहा है। नदी एप्रोच मार्ग के नये स्थानों पर कटान कर रही है। उसे रोकने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा एप्रोच मार्ग की मिट्टी गीली हो गई है। सबसे पहले मिट्टी को स्टेबल करने का प्रयास किया जा रहा है। मरम्मत कार्य निरंतर किया जा रहा है।

उन्होंने जिलाधिकारी को आश्वस्त किया कि तीन नवंबर की सायंकाल तक एप्रोच मार्ग को आवागमन के लायक बना दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने रुद्रपुर के आदर्श चौराहा के दृश्य स्थल पर पुल के मरम्मत कार्य जारी होने की वजह से रूट डायवर्जन होने का बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड से यात्रियों को सुविधा होगी और उन्हें अनावश्यक पिड़रा पुल से वापस नहीं आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पचलड़ी, रमपुरवां, सुल्तानी, पलियां, भेलऊर, जगदीशपुर, बहोरा दलपतपुर, नरायनपुर गांव आदि के निवासी नरायनपुर पुल से वाया सेमरौना पुल होते हुए आदर्श चौराहे तक जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने पचलड़ी से नरायनपुर पुल तक के डायवर्जन मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त बनाये रखने के लिए सीओ को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर ट्रैफिक जाम की दृष्टि से संवेदनशील बिंदुओं पर अतिक्रमण हटाने के साथ ही पुलिस के जवानों की तैनाती की जाए। तटबंध से होकर जाने वाले इस मार्ग के प्रारंभिक दो किलोमीटर की मरम्मत कराने के लिए अधिशासी अभियंता बाढ़ एनके जाडिया को निर्देश दिए।

पिड़रा पुल के एप्रोच मार्ग पर हुई कटान की वजह से लोगों को आवाजाही में हो रही असुविधा को दूर करने के लिए अफसरों को निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग तथा बाढ़ नियंत्रण विभाग से जुडे अधिकारियों की निगरानी में मरम्मत कार्य हो रहा है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम रुद्रपुर ध्रुव शुक्ला, सीओ जिलाजीत, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी आरके सिंह समेत विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

भागलपुर पुल के मरम्मत कार्य की जांच को समिति गठित

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जनपद देवरिया एवं बलिया को जोड़ने वाले भागलपुर सेतु पर हुए मरम्मत कार्य की खामियों की जांच हेतु एडीएम वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया है। समिति में एसडीएम बरहज, अधिशासी अभियंता सिंचाई तथा सीओ बरहज सदस्य नामित किए गए हैं। बता दें कि राज्य सेतु निगम द्वारा कुछ दिन पूर्व किए गए मरम्मत कार्य की खामियों को लेकर जिलाधिकारी ने जांच समिति गठित करते हुए सदस्यों को निर्देशित किया है कि मरम्मत कार्य की जांच कर आख्या प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराएं।

नगर पालिका बोर्ड की बैठक में सभासदों का हंगामा

कांपलेक्स की नीलामी और कंबल वितरण को लेकर फूटा गुस्सा

देवरिया। नगर पालिका बोर्ड की बैठक हंगामेदार रही। सभासदों के विरोध के कारण बेशकीमती भूमि पर बने कांपलेक्स की नीलामी के मंसूबे पर पानी फिर गया। सभासदों ने एक स्वर से विरोध करते हुए कहा कि बिना पूर्ण विवरण के ही नीलामी की प्रक्रिया पास कराना गलत है। कंबल कितने का खरीदा जाएगा, इसकी जानकारी न देने पर सभासदों ने जमकर विरोध किया।

नगर पालिका बोर्ड की बैठक नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह की अध्यक्षता में सुबह में शुरू हुई। इसमें आगामी कार्यों को लेकर चर्चा होने लगी। इसी बीच सभासदों के सामने रखा गया कि इस बार पांच हजार कंबल बांटे जाएंगे। इसी दौरान सभासद आशुतोष तिवारी ने विरोध करना शुरू कर दिया। उन्होंने सदन में खड़ा होकर कहा कि हमें बताया जाए कि एक कंबल कितने का है और कितना सभासदों को दिया जाएगा। इस पर ईओ रोहित सिंह ने बताया कि इस बार ग्रामीण क्षेत्र हैं और 25 लाख का कंबल दिया जाएगा। इसको लेकर हंगामा शुरू हो गया कि जब ग्राम प्रधानों का वित्तीय अधिकार है तो कंबल बांटने का वहां औचित्य क्या है। इसको लेकर काफी देर तक बहस हुई। पूरा विवरण मांग रहे सभासदों ने आधे घंटे तक बैठक ठप रखी। इसी बीच अबूबकरनगर मोहल्ले में बन रहे कांपलेक्स की नीलामी का प्रस्ताव रखा गया। इस पर सभासद दिनेश शुक्ला ने सवाल किया कि इतना आनन–फानन क्यों नीलामी की जा रही है। पूरा विवरण सभासदों को पहले क्यों नहीं बताया गया। उन्होंने जब विरोध जताना शुरू किया तो एक स्वर से सभी सभासदों ने उनका साथ दिया। सभासद अजय सिंह ने उपविधि के बारे में बताने को कहा। इसके कारण यह प्रस्ताव पास नहीं हो सका। इसके बाद इंदिरा गांधी बालिका इंटर कॉलेज टाउनहॉल के शिक्षकों व कर्मचारियों की वेतन वृद्धि की बात आई तो सभासदों ने आठ प्रतिशत वृद्धि करने के लिए कहा। इसी तरह बैठक में छठ पर्व पर चाय, स्टॉल, सीसीटीवी कैमरा, ड्रोन आदि खर्च के लिए स्वीकृति दी। इस दौरान अमित मिश्रा, अनूप पांडेय, श्याम सुंदर कन्नौजिया, गोविंद चौरसिया, हुस्नआरा खातून, अजय गुप्ता, सेराज अहमद, आशीष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बेटियों का स्वास्थ्य बेहतर बनाने पर दिया जोर

बरहज। क्षेत्र के कपरवार स्थित सावित्री बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अमर उजाला फाउंडेशन के अपराजिता अभियान के तहत स्वास्थ्य और सुरक्षा जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सकों और पुलिस टीम ने उपस्थित 432 छात्राओं को जागरूक किया। मुख्य अतिथि एवं महेन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. हरेंद्र कुमार ने कहा कि बेटियां स्वस्थ रहेंगी, तभी देश व समाज भीआगे बढ़ेगा। सेहतमंद आप तभी होंगी जब बीमारियों को छिपाने की जगह चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं का नियमित सेवन करेंगी। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से जुड़ीं विभिन्न बीमारियों के बारे में बताया और इससे बचने के उपायों की भी जानकारी दी। थानाध्यक्ष जयशंकर मिश्र ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार बेहद गंभीर है। इनकी मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर विशेष रूप से जारी किए गए हैं। खास बात यह है कि इसमें शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाती है। शोहदों की हरकतों को नजरअंदाज करने की जगह पुलिस का सहयोग लेने की प्रवृत्ति आदत में लाएं। उन्होंने साइबर क्राइम से बचने के उपायों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. हेमंत शुक्ल, चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह, देवेश सिंह, डॉ. विश्राम राय, डॉ. शैलेंद्र कुमार, सुषमा राय, पूनम, स्नेहा, महिला आरक्षी अलका तिवारी, सीमा पांडेय ने अपने–अपने सुझाव दिए और छात्राओं की जिज्ञासा को शांत किया। इस मौके पर चिकित्सकीय टीम की ओर से छात्राओं में आयरन, कैल्शियम आदि दवाओं का वितरण भी किया गया। इससे पूर्व खुशबू, सपना ने सरस्वती वंदना हे शारदे मां..और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मौके पर प्रबंधक राधारमण तिवारी, प्रधानाचार्य रिंकी मिश्रा, रमेश कुमार राव, शंभू पाठक, सीमा सिंह, साक्षी मद्धेशिया, संगम पांडेय आदि मौजूद रहे।

क्रय केंद्रों पर बोरे की उपलब्धता पर नजर रखें

धान खरीद की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए जिलाधिकारी ने दिए कई निर्देश

महराजगंज। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि एक नवंबर से प्रारंभ होने वाली धान खरीद के मद्देनजर खरीद केंद्रों पर बोरे की उपलब्धता पर विशेष नजर रखी जाए। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार . देर शाम विकास भवन सभागार में आयोजित धान खरीद संबंधी कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछली बार कुछ मिलों में धान भेजने में समस्या हुई थी। ऐसे में केंद्र से मिल में धान का नियमित प्रेषण हो यह व्यवस्था बना ली जाए। भारतीय खाद्य निगम के जिम्मेदार भी सीएमआर चावल के उतार पर विशेष ध्यान दें। केंद्रों पर शौचालय की अनुपलब्धता की दशा में सहायक निबंधक सहकारिता ऐसे समितियों की सूची उपलब्ध करा दें, जिससे समय रहते उसका निर्माण कराया जा सके। डीएम ने कहा कि केंद्र प्रभारी व मंडी समिति केंद्र के आसपास किसी आढ़तियों को खरीद के लिए सक्रिय न होने दें। जिला विपणन अधिकारी व अन्य एजेंसियों के प्रबंधक व नामित नोडल अधिकारी भी धान खरीद का पर्यवेक्षण करें। अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने कहा कि केंद्रों पर तौल के लिए आने वाले किसानों को पेयजल उपलब्ध कराने के साथ उनके बैठने की व्यवस्था की जाए। जिला खाद्य विपणन अधिकारी विवेक सिंह ने भी खरीद के दौरान ध्यान रखे जाने वाले बिंदुओं की जानकारी दी। इस दौरान परियोजना निदेशक आरके पांडेय, सहायक निबंधक सहकारिता सर्वीद्र सिंह, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी प्रदीप तिवारी व सभी एजेंसियों के प्रबंधक, मंडी समिति के सचिव व क्रय केंद्र प्रभारी मौजूद रहे।

भूमि विवाद में दो पक्षों में मारपीट, सात घायल

परसामलिक। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत विषखोप में दोपहर दो पक्षों में भूमि विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई, जिसमें दोनों पक्षों से सात लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को रतनपुर सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से पांच लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मारपीट में प्रथम पक्ष के चिनकान (60) ,नबी उर्फ शरीफ (30), बाबूलाल (35) तथा दूसरे पक्ष के प्रमोद यादव (24), रामजीत यादव, संतोष यादव (29) व अशोक यादव (28) घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने पांच लोगों की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चिनकान ने विपक्षियों के विरुद्ध तहरीर दी। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि दो पक्षों मे भूमि विवाद को लेकर मारपीट हुई है। घायलों का इलाज कराया जा रहा है, मामले की जांच पड़ताल भी जारी है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई होगी।

श्रीलंका के डिप्टी कमिश्नर ने किया लुम्बिनी में किया पूजन

सोनौली। भारत में श्रीलंका के डिप्टी हाई कमिश्नर निलुका कदुरुगमुवा ने सीमावर्ती लुम्बिनी का दौरा कर महात्मा बुद्ध का दर्शन पूजन किया। . ..दोपहर दिल्ली में श्रीलंका के डिप्टी हाई कमिश्नर सोनौली सीमा से नेपाल गए। इस दौरान सोनौली पुलिस ने उन्हें कड़ी सुरक्षा में सीमा तक पहुंचाया और सीमा से नेपाल पुलिस उन्हें लुम्बिनी तक लेकर गई। चौकी प्रभारी सोनौली मनीषा सिंह ने बताया कि श्रीलंका के डिप्टी हाई कमिश्नर कड़ी सुरक्षा में नेपाल रवाना हुए हैं।

संस्थागत प्रसव के घटने पर जताई नाराजगी

महराजगंज। कलेक्ट्रेट सभागार में देर शाम जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में जननी सुरक्षा योजना में संस्थागत प्रसव के घटने पर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने नाराजगी जताई तथा सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सुधार का निर्देश दिया। सभी आशा कार्यकर्ताओं के मोबाइल में ई–कवच एप को डाउनलोड कराते हुए परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण को नियमित तौर पर कराने का निर्देश दिया। मरीजों को झोलाछाप डॉक्टरों के जाल से बचाने के लिए आशा व एएनएम को जागरूक करने का निर्देश दिया। नोडल अधिकारियों को चेक लिस्ट के मुताबिक अस्पतालों की सुविधाओं को जांचने का निर्देश दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पार्किंग व्यवस्था के लिए स्थलों की नीलामी जल्द से जल्द कराने को कहा। इस दौरान सीएमओ डॉ. नीना वर्मा, एसीएमओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. राकेश कुमार व डॉ. आईए अंसारी आदि मौजूद रहे।

डीएम के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले तीन शिक्षक, रुकेगा वेतन

महराजगंज। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने .प्राथमिक विद्यालय पचरुखिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण में विद्यालय पर तैनात छह में से तीन शिक्षक अनुपस्थित मिले, जिस पर उनका वेतन रोकने का निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय पर शिक्षक उपेंद्र मिश्रा उपस्थित मिले, जबकि मुन्ना कुमार शर्मा व सुलक्षणा अवकाश पर थे। प्रधानाध्यापक पवन कुमार पटेल व शिक्षक बालकृष्ण तिवारी अनुपस्थित रहे, जबकि शिक्षक चंद्रभान तिवारी पूरे महीने से अनुपस्थित मिले। जिस पर अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन रोकने का निर्देश देते हुए बीएसए को जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा है। विद्यालय में नामांकित 231 विद्यार्थियों में सिर्फ पांच बच्चों की उपस्थिति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई तथा उपस्थिति को बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षिक कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, उप जिलाधिकारी सदर आदि मौजूद रहे।

गैस सिलेंडर में लगी आग से लाखों का सामान जलकर राख

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। जहां एक तरफ सभी लोग दिवाली में खुशियां मना रहे थे तो वही गोरखपुर जनपद के राजगढ़ गांव में रहने वाले कृष्ण देव शर्मा के घर आग में इतना तूफान मचाया की सारी खुशियां जलकर राख हो गई। आपको बता दें कि दिवाली की रात को गैस सिलेंडर में आग लग जाने के नाते कृष्ण देव शर्मा के घर में रखे हुए लाखों के सामान जलकर राख हो गया कृष देव शर्मा ने बताया कि रात में

शॉर्ट सर्किट होने से गैस सिलेंडर ने आग पकड़ लिया था जिसके नाते सारा सामान जलकर राख हो गया समाचार लिखे जाने तक सरकार की कोई भी सहायता राशि कृष्ण देव शर्मा को प्राप्त नहीं हुई थी अब देखना है कि प्रशासन इसे किस रूप में लेता है कृष्ण देव शर्मा की किस प्रकार से सहायता करता है।

बीबीडबल्यु के काशी मंथन को लेकर भट्ट ब्राह्मण उत्साहित,पूर्वांचल में रचेगा इतिहास

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। भट्ट ब्राह्मणों के सबसे बड़े समूह ब्रह्मभट्ट वर्ल्ड (बीबीडबल्यु) के बैनर तले होने वाले पांचवें काशी मंथन को लेकर पूर्वांचल में उत्साह का माहौल है हर कोई इससे जुड़कर विकास को एक नया आयाम देने के लिए प्रयासरत हैं आपको बता दें कि 25 दिसंबर 2022 को होने वाले भट्ट ब्राह्मणों के सबसे बड़े समूह बीबीडब्ल्यू के बैनर तले काशी मंथन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत के सभी राज्यों से भट्ट ब्राह्मण भारी संख्या में शामिल हो रहे हैं जिसका सारा श्रेय गाजियाबाद के रहने वाले पेशे से पत्रकार तपन राय भारती को दिया जा रहा है तपन राय भारती ने एक नई सोच के साथ भट्ट ब्राह्मणों को एक करने के लिए लगातार मंथन का आयोजन करते आ रहे हैं यह पांचवा काशी मंथन है जो भगवान शिव के नगर बनारस में 25 दिसंबर को संपन्न होगा। इससे पहले मंथन दिल्ली में आयोजित हो चुका है जिसमें हजारों की संख्या में देश के सभी कोनो से भट्ट ब्राह्मण शामिल हुए थे इस बार फिर काशी मंथन को लेकर भट्ट ब्राह्मणों में उत्साह का माहौल छाया हुआ है बांबे, दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे ,पटना ,जमशेदपुर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश सहित सभी राज्यों से इसके साथ साथ अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका,चीन और दुबई जैसे देशों में बसे हुए बहुत सारे स्वजन भी भट्ट ब्राह्मण काशी मंथन में शामिल होने के लिए तैयार हो कर आ रहें हैं काशी मंथन को लेकर चर्चा करते हुए बीएसडब्ल्यू के संस्थापक भारती ने बताया कि मंथन की जरूरत क्यों लगी, लगा कि तरक्की की राह पर दौड़ रहा समाज साल में एक बार मिलकर एक दूसरे को दुआएँ दे सकें, दूसरों की व्यथा सुन सकें, अपने बेटा बेटी के लिए समकक्ष जीवनसाथी खोज सकें, सफल जनों का अनुभव सुन सकें, युवाओं व महिलाओं को भी मंथन में लाकर वर्तमान समाज से रूबरू करा सकें! इसलिए मंथन जरूरी लगा। इस मंथन में न किसी को मुख्य अतिथि या अध्यक्ष या विशिष्ट अतिथि बनाया जाता बल्कि संतरी से मंत्री तक यहाँ समान होते! सबको निबंधन कराना होता है ताकि मंथन में शरीक हो सकें! पहले जाति सम्मेलन में महिलाओं व युवाओं को लाने पर जोर नहीं था पर हम उन्हें सम्मानपूर्वक बुलाते हैं। यह सम्मेलन या मंथन किसी एक राज्य या एक जिले या एक क्षेत्र का नहीं बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष में फैले भट्ट समाज का है! गरीब स्वजन भी आते हैं पर उनका निबंधन शुल्क उनके संपन्न रिश्तेदार देते हैं! मंथन में कितना आया कितना खर्च हुआ यह जानकारी मंथन के मंच से आपको दी जाएगी। मंथन में समाज का ही एंकर, समाज का ही वक्ता, समाज का ही कवि और गायक, समाज के ही वोलंटियर मंथन की व्यवस्था संभालते हैं! जो पहले आएगा वो आगे बैठेगा! परंतु बुजुर्गों को सम्मान देना अनिवार्य। मंथन में आपसे नये परिवारों के बीच बैठने और हर घंटे सीट बदलने का आग्रह किया जाता है इसका पालन अनिवार्य ताकि सबसे आप रूबरू हो सकें। मंथन किसी एक का नहीं सबका है।

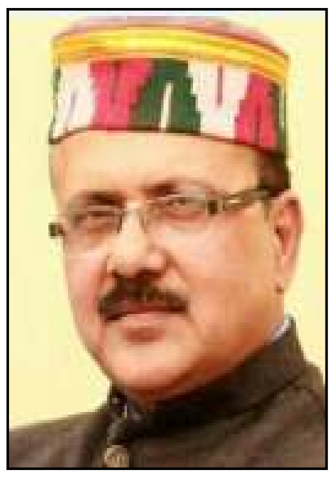

इस बार का काशी मंथन में सबसे बड़ी भूमिका देवरिया के रहने वाले अजय शर्मा की है जिन्होंने काशी मंथन को लेकर दिन रात एक कर रखा है भटट् ब्राह्मणों के सभी गांव में जाकर उन्हें एक करने की लगातार अपील कर रहे हैं अजय शर्मा ने वार्ता के दौरान बताया कि आने वाले पच्चीस दिसंबर को बीबीडबल्यु समूह द्वारा आयोजित मंथन का कार्यक्रम वाराणसी में होना सुनिश्चित है। मंथन का आयोजन पहली बार उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में देश और विदेश के बहुत सारे स्वजातीय जन ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है और अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर ली है। हरियाणा, गुजरात, दिल्ली, मुंबई, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों और शहरों से बहुत से लोगों का आना निश्चित हो चुका है। इन आयोजनों के प्रति भट्ट ब्राह्मणों के उत्साह रुझान को देखते हुए निश्चित रूप से काशी मंथन इस बार काफी धूमधाम से संपन्न होगा साथ ही भट्ट ब्राह्मण एकता को लेकर भी एक बड़ा समूह एकजुट होगा। तैयारीयों को देख कर लगता है बीबीडबल्यु समूह द्वारा आयोजित मंथन इस बार भारतीय संस्कृत एवं विविधता में एकता को भी इस आयोजन में देखने को मिलेगा यह आयोजन निश्चित रूप से भट्ट ब्राह्मणों के विकास में एक अहम अदा करेगा।

देव पूजन व गायत्री महायज्ञ का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के रामलीला मैदान में आयोजित 24 कुंडीय नवचेतना जागरण गायत्री महायज्ञ के दूसरे दिन हरिद्वार से पधारे सूरत सिंह अमृते दल नायक के नेतृत्व मे मुख्य यजमान रामायण कल्चर मैपिंग योजना के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एवं इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी और उनकी पत्नी प्रतिभा देवी, की उपस्थिति में हरिद्वार से पधारे विकास ब्रह्मभट्ट, जय सिंह, अभय श्रीवास्तव, सुनील सिंह के संगीतमय गायन, वादन से यज्ञ–ज्ञान–विज्ञान, देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ। वही महायज्ञ आरंभ गायत्री मंत्र 'ऊं भूर्भुवरू स्वरू तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नरू प्रचोदयात। के प्रभावशाली मंत्र के गायन से हुआ इस अवसर पर दल नायक ने महायज्ञ प्रकाश पर डालते हुए कहा कि–सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परामात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, परमात्मा का वह तेज हमारी बुद्धि को सद्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें।' गायत्री मंत्र का जाप गायत्री माता का ध्यान लगाकर किसी मंदिर, घर, एकांत स्थान पर सुबह, दोपहर, शाम को रुद्राक्ष की माला से 108 बार करना चाहिए। जीवन में उत्साह एवं सकारात्मकता में वृद्धि होती है, इसके चलते मानव खराब से खराब परिस्थिति से भी बाहर नकिलने में कामयाब हो जाता है, व्यक्ति का मन धर्म और सेवा कार्यों में भी लगने लगता है, क्रोध शांत होता है, बुराइयां मन से दूर होती हैं, रक्त संचार सही तरह से होता है, बीमारियों से राहत मिलती है, चेहरे पर रौनक आता है, अस्थमा रोगियों के लिए यह फायदेमंद है। उन्होंने ने कहा कि हर उम्र के स्त्री–पुरुष, बालक, बूढ़े, नौजवान को प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित भक्तों से आह्वान किया कि महायज्ञ के तीसरे दिन रविवार 30 अक्टूबर को इच्छुक भक्त निशुल्क दीक्षा, 16 संस्कारों से बच्चों को संस्कारित करने के लिए यज्ञ स्थल पर अवश्य पधारें। प्रतिदिन शाम को 6रू00 से 8:00 तक होने वाले प्रवचन का श्रवण कर पुण्य के भागी बने। महायज्ञ के आयोजन में प्रदीप केसरी, मंजू देवी सहित अन्य 24 जोड़ों सहित अनेकों भक्तजनों ने महायज्ञ की आहुति में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में राजकुमार तरूण, अरविन्द कुमार सिंह, राधेश्याम त्रिपाठी, शिवशंकर कुशवाहा, रामदुलारे, विश्वकर्मा, बालमुकुंद शुक्ला, प्रदीप गुप्ता, गोविंद तरंग, गोपाल अग्रहरि, शुग्रीव मौर्या, प्रकाश केशरी, लल्लन प्रसाद, अनिल कुमार, डा सी बी दूबे, लालता विश्वकर्मा, रामदेव जी, कालीदास जायसवाल, प्रदीप जयसवाल, राजेन्द्र जायसवाल, महिला स्वयं सेवी कार्यकर्ता सरोज देवी जयसवाल, सरिता देवी, मन्जू देवी, रानी देवी, आशा देवी, ऊषा देवी, शशी देवी श्रीवास्तव, गीता देवी, शोभा देवी, अमरावती देवी, शकुन्तला देवी, प्रज्ञा सहित आदि भक्तगण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

- **मुख्य जजमान रहे दीपक कुमार केसरवानी, प्रतिभा देवी**
- **हरिद्वार से पधारे दल नायक सूरत सिंह ने अमृते गायती मंत की महत्ता पर प्रकाश डाला**
- **गायती महायज्ञ में निशुल्क कराए जाएंगे 16 संस्कार**

अशोक सिंह को श्रद्धांजलि देने पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मंत्री जतिन प्रसाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। स्वर्गीय अशोक कुमार सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक लोक निर्माण विभाग कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद सहित उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्री और आला अधिकारियों ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप के सिविल लाइन स्थित आवास पर आकर दिवंगत अशोक कुमार सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जैसा की आप सबको ज्ञात है की पूर्व मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप के बड़े भाई पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक कुमार सिंह का 26 अक्टूबर को देहान्त हो गया था उनके देहांत के उपरान्त उनको मानने और चाहने वालों द्वारा दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का आने का सिलसिला निरंतर आज भी जारी है। आज श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक, लोक निर्माण विभाग कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली, पूर्व मंत्री महबूब अली, पूर्व मंत्री विधायक दारा सिंह चौहान, पूर्व मंत्री दद्दू प्रसाद, विधायक आनंद यादव, सांसद उपेन्द्र रावत, बीजेपी जिला अध्यक्ष शशांक कुशमेश, अरविंद मौर्य, पूर्व विधायक सोनू सिंह, कुर्सी विधायक सांकेंद वर्मा, पूर्व सांसद सुशीला सरोज, पूर्व सांसदअतुल अनजान, पूर्व सांसद राजेश पांडेय, यूपी महिला आयोग की पूर्व चेयरमैन जरीना उस्मानी, पूर्व सांसद आनंद प्रकाश गौतम, पूर्व एमएलसी सिराज मेंहदी, पूर्व मंत्री आनंद सेन, नागेन्द्र सिंह, दिलीप केसरवानी, वीरबहादुर सिंह,प्रदीप शंकर पाण्डेय, जीतू मिश्रा, डा सलीम, प्रदीप सिंह, पूर्व एमएलसी राजेश यादव राजू, अशोक यादव पूर्व अध्यक्ष, शशिकांत मिश्रा,दिनेश प्रताप सिंह,सीडीओ उदयराज यादव, मनोज यादव, बादशाह चेयरमैन, मीरा तलवार, एस के सिंह, संजय कत्याल, समीर सिंह, विजय शर्मा, पुन्नी गुप्ता, अजय सिंह, पूर्व प्रमुख आशीष सिंह, जगत सिंह जग्गा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सिद्धार्थनगर, चिंकू यादव, सिंह, बलराज सिंह आजमगढ़, एवं तमाम वरिष्ठ अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों से आए हुए समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ के कोने–कोने से आए हुए गणमान्य लोगों ने स्व अशोक कुमार सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसी क्रम मे विधानसभा रामनगर के नेताओं कार्यकर्ताओं ने स्व अशोक कुमार सिंह की आत्मा की शांति के लिए रामनगर सपा कार्यालय पर स्वर्गीय अशोक कुमार सिंह की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभी नेताओं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय अशोक सिंह जीवन से जुड़े अपने स्मरण साझा किए एवं श्रद्धांजलि सभा के समापन के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने खड़े होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा। आज जिला पंचायत बाराबंकी के सभागार में जिला पंचायत कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने भी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व अशोक कुमार सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

माध्यमिक खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करमा ब्लाक की खंड स्तरीय खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिता मां विंध्यवासिनी इण्टर कालेज के प्रांगण में तय कार्यक्रम के अनुरूप सुबह 10 बजे शुरू हुई। जिसमें दर्जनों विद्यालयों के बालक व बालिकाएं प्रतिभाग किए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के पूर्व प्रबन्धक कृपा शंकर मौर्य व सर्व जीत सिंह मौर्य, कोषाध्यक्ष रामसजीवन मौर्य, प्रधानाचार्य सरोज कुमारके द्वारा सयुक्त रूप से विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के अध्यक्ष कृपा शंकर मौर्य द्वारा खेल ध्वजारोहण किया गया की बालिकाओं के द्वारा आए हुए अतिथियों के स्वागत व सम्मान के लिए स्वागत गीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। खेल उद्घाटन 800मीटर रेश सीनियर बालक वर्ग को अध्यक्षध्प्रबन्धक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। 800 मीटर बालक वर्ग में रितेश यादव मा विंध्यवासिनी कालेज प्रथम, दीपक कुमार बद्री नारायण चोपन द्वतीय, राहुल मौर्य तृतीय स्थान प्राप्त किया, 800 मीटर बालक वर्ग में अंजू मौर्य प्रथम हंस वाहिनी कसया, नीलम बद्रीनारायण चोपन, साधना मा विंध्यवासिनी पांपी, 800 मीटर जूनियर वर्ग में बालक जितेन्द्र यादव प्रथम, विजेन्द्र द्वतीय मा विंध्यवासिनी पांपी, पंकज कुमार हंस वाहिनी कसया। 800 जूनियर बालिका वर्ग में अर्चना मा विंध्यवासिनी पांपी प्रथम, खुशी सन्त जेवियर्स राबर्ट्सगंज द्वतीय, पूनम यादव हंस वाहिनी कसयातृतीय स्थान। 100 मीटर सीनियर वर्ग सोनू भारती प्रथम हंस वाहिनी कसया, जहीर शारदा पब्लिक स्कूल द्वतीय, हिमांशु तृतीय एम वी आई सी राबर्ट्सगंज। 100 मीटर बालिका वर्ग में प्रीति एम वी आई सी प्रथम, नन्दनी शुक्ला द्वतीय जी जी आई सी ,अंजू तृतीय हंस वाहिनी कसया । 100 मीटर जूनियर बालिका वर्ग में आंशिक गुप्ता सन्त प्रथम जेवियर्स राबर्ट्सगंज, शिजल सिंह द्वतीय जी जी आई सी ,अंजली तृतीय एम वी वी आई सी, 1500 मीटर सीनियर बालक वर्ग संकेत तिवारी जय ज्योति कालेज चुर्क प्रथम, मिथुन हंस वाहिनी कसया द्वतीय, मो0 खालिक मा विंध्यवासिनी पांपी तृतीय। 1500 मीटर बालिका वर्ग में अंजू प्रथम हंस वासिनी कसया, अर्चना द्वतीय मां विंध्यवासिनी पांपी रही इस मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान नागेन्द्र मौर्य पांपी, उमाकांत मिश्र प्रधानाचार्य, गुलाब राय, पूजा सिंह प्रधानाचार्य आई सी राबर्ट्सगंज, जगदम्बा प्रसाद, सरोज कुमार प्रधानाचार्य, वीरेन्द्र यादव, राजेश कुमार, मुस्तकीम अहमद, शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुबारक व अरूण पति तिवारी के द्वारा सयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का समापन ऋतिका दुबे माध्यमिक वित्त विहीन शिक्षक महासभा वाराणसी निर्वाचन खण्ड व उमाकांत मिश्र प्रधानाचार्य व माध्यमिक बित्त विहीन शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष सोनभद्र के द्वारा किया गया।

जन आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व है छठ पूजा

छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर–प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। यह व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है।

ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण हिन्दू शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं।

छठ सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है। पांच दिन तक चलने वाले ये पर्व छठ पूजा तक चलते है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम–धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है।

छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आर्शीवाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है।

हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग–अलग प्रांतों में अलग–अलग रीति–रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां–जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं।

छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर–परिवार की सुख– समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है।

छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहा–खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं।

छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं।

एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। जिसकी शुरुआत सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था।

लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई–बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा।

लोक आस्था के महापर्व छठ का हिंदू धर्म में अलग महत्व है। यह एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय–खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय–खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है।

छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नही ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख–समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस पूजा वैसे तो मुख्य रुप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है। लेकिन साथ ही सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा–पाठ करते है। साथ ही छठ माता की पूजा को आपके संतान के लिए भी कल्याणकारी होती है।

लोक आस्था का पर्व है छठ पूजा

लोक आस्था का महापर्व छठ

पूजा नहाय खाय के साथ ही शुरू हो गया है। चार दिवसीय इस महापर्व की विशेष महत्ता है, तो आइए हम आपको छठ महापर्व की पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें छठ पूजा के बारे में

छठ पूजा में सूर्य देव की उपासना की जाती है। यह त्यौहार पूर्वांचल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी किया जाता है। इस पूजा में सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। ऐसी मान्यता है सूर्य देवता की कृपा से भक्त सदैव स्वस्थ तथा उनका घर धन धान्य से परिपूर्ण होता है। छठ मइया संतान देती हैं। सूर्य देवता जैसी महान तथा तेजस्वी संतान की प्राप्ति हेतु भी यह पूजा की जाती है। साथ ही लोग अपनी मनोकामनाएं पूरी होने पर छठ व्रत करते हैं।

आस्था की प्रतीक हैं छठ मइया : पंडितों का मानना है कि छठ देवी को सूर्य देवता की बहन कहा जाता है। लेकिन छठ व्रत कथा के मुताबिक छठ मइया ईश्वर की पुत्री देवसेना हैं। देवसेना के विषय में कहा जाता है कि वह प्रकृति की मूल प्रवृति के छठवें अंश से पैदा हुई हैं इसलिए उन्हें षष्ठी कहा जाता है। इस पूजा को कार्तिक शुक्ल की षष्ठी को किया जाता है। इसके अलावा छठ पूजा के विषय में कई अन्य पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। उनमें से एक है कि जब भगवान श्री राम वनवास के बाद अयोध्या वापस आए तो माता सीता और रामजी ने साथ मिलकर कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देवता की उपासना की थी। इसके अलावा कुंती ने भी पुत्र प्राप्ति हेतु विवाह से पूर्व सूर्योपासना की थी। उसके बाद सूर्यदेव ने प्रसन्न होकर उन्हें एक पुत्र प्रदान किया था। लेकिन लोकलाज के भय से सूर्य देवता से उत्पन्न पुत्र कर्ण को अविवाहित कुंती ने जन्म देने के बाद नदी में प्रवाहित कर दिया था। बाद में कर्ण भी सूर्यदेव के बड़े उपासक बने। ऐसा माना जाता है कि कर्ण पर सूर्य की असीम कृपा बनी रही।

चार दिन तक होती है छठ पूजाः छठ पूजा एक दिन नहीं बल्कि चार दिनों की जाने वाली पूजा है। इस व्रत को करने के लिए परिवार के सभी लोग एकत्रित होते हैं।

नहाय खाय से शुरू होती है छठ पूजाः वैसे तो छठ पूजा कार्तिक शुक्ल की षष्ठी को मनाई जाती है लेकिन इसकी शुरुआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को ही हो जाती है। नहाय खाय के दिन व्रत करने वाला भक्त नहा कर नए वस्त्र पहनता है तथा व्रत का संकल्प लेता है। इसके अलावा व्रती इस दिन से शाकाहारी भोजन ग्रहण करता है तथा परिवार के सभी सदस्य व्रती के भोजन करने के पश्चात ही खाते हैं।

दूसरे दिन होता है खरना

खरना कार्तिक शुक्ल पंचमी के दिन मनाया जाता है। इस दिन व्रती व्यक्ति पूरे दिन व्रत रहकर रात में खीर खाते है। रात में खीर खाने के कारण इसे खरना कहा जाता है। खरना के दिन पूरे दिन निर्जला व्रत रहा जाता है। शाम को चावल और गुड़ की खीर बनाकर खाया जाता है। इस व्रत में नमक व चीनी का प्रयोग नहीं किया जाता है। साथ ही खीर के साथ घी लगी रोटी भी खायी जाती है।

षष्ठी के दिन बनाया जाता है प्रसादः छठ पूजा में प्रसाद का विशेष महत्व होता है । इस प्रसाद में ठेकुआ का खास महत्व होता है। ठेकुआ को टिकरी भी कहा जाता है। साथ ही प्रसाद में चावल के लड्डू भी बनाए जाते हैं। बाद में प्रसाद व फल विशेष रूप से बांस की टोकरी में सजाया जाता है। उसके बाद टोकरी की पूजा करने के लिए सभी व्रती शाम को सूर्य को अर्घ्य देने के लिए तालाब, नदी या घाट आदि पर जाते हैं। यहां व्रती स्नान कर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन छठ का पारण होता है। इस दिन सप्तमी को सुबह सूर्योदय के समय भी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद विधिवत पूजा की जाती है। छठ पूजा की खासियत है कि प्रसाद को लोगों में बांटा जाता है। इसके बाद व्रती पारण करते हैं।

छठ पूजा में होता है इन नियमों का पालन

छठ व्रती छठ पूजा के नहाय खाय का प्रसाद पूरी शुद्धता के साथ बनाते है। इसमें अरवा चावल का भात, चना दाल एवं कद्दू मिला हुआ दाल रहती है। लौकी की सब्जी, नया आलू और गोभी की सब्जी के साथ कई जगह अगस्त के फूल का पकौड़ा भी बनाते है।

छठ पूजा में इनका लगाया जाता है भोगः छठ पूजा में छठी मईया और सूर्य देव को प्रसन्न करने के लिए नाभ नींबू, नारियल, केला, ठेकुआ, गन्ना, सुथनी, सुपारी, सिंघाड़ा चढ़ाया जाता है। पहले दिन नहाय–खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन शाम में सूर्य अर्घ्य से चौथे दिन सुबह अर्घ्य पर समापन होता है। पांच गन्ने जिसमें पत्ते लगे हों, पानी वाला नारियल, अक्षत, पीला सिंदूर, दीपक, घी, बाती, कुमकुम, चंदन, धूपबत्ती, कपूर, दीपक, अगरबत्ती, माचिस, फूल, हरे पान के पत्ते, साबुत सुपाड़ी, शहद का भी इंतजाम कर लें। इसके अलावा हल्दी, मूली और अदरक का हरा पौधा, बड़ा वाला मीठा नींबू, शरीफा, केला और नाशपाती की भी जरूरत पूजा के लिए पड़ती है। इनके अलावा शकरकंदी और सुथनी लेना न भूलें। मिठाई, गुड़, गेंहू और चावल का आटा और घी की भी व्यवस्था कर लें।

छठ पूजा सूर्योपासना का अनुपम लोक पर्व

छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाने वाला एक हिंदू पर्व है। सूर्योपासना का यह अनुपम लोक पर्व मुख्य रूप से पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के

तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। उत्तराखंड का उत्तरायण पर्व हो या केरल का ओणम, कर्नाटक की रथसप्तमी हो या बिहार का छठ पर्व, सभी इसके द्योतक हैं कि भारत मूलतरू सूर्य संस्कृति के उपासकों का देश है तथा बारह महीनों के तीज–त्योहार सूर्य के संवत्सर चक्र के अनुसार मनाए जाते हैं। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोकगाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी भरत राजाओं का यह मुख्य पर्व था। मगध के राजनीतिक इतिहास के साथ भी छठ की ऐतिहासिक कडियां जुड़ती हैं३

बिहार में छठ पर्व

दीपावली के एक सप्ताह पश्चात बिहार में छठ का पर्व मनाया जाता है। एक दिन व रात तक समूचा बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश गंगा के तट पर बसा प्रतीत होता है। इस दिन सूर्यदेव की उपासना व उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। भारत के बिहार प्रदेश का सर्वाधिक प्रचलित एवं पावन पर्व है सूर्यषष्ठी। यह पर्व मुख्यतरू भगवान सूर्य का व्रत है। इस व्रत में सर्वतोभावेन सूर्य की पूजा की जाती है। वैसे तो सूर्य के साथ सप्तमी तिथि की संगति है, किंतु बिहार के इस व्रत में सूर्य के साथ 'षष्ठी' तिथि का समन्वय विशेष महत्त्व का है।

षष्ठी देवी

इस तिथि को सूर्य के साथ ही षष्ठी देवी की भी पूजा होती है। पुराणों के अनुसार प्रकृति देवी के एक प्रधान अंश को 'देवसेना' कहते हैं, जो कि सबसे श्रेष्ठ 'मातृका' मानी गई हैं। ये लोक के समस्त बालकों की रक्षिका देवी हैं। प्रकृति का छठा अंश होने के कारण इनका एक नाम षष्ठी भी है। षष्ठी देवी का पूजन प्रसार ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार राजा प्रियव्रत के काल से आरंभ हुआ, जब षष्ठी देवी की पूजा 'छठ मइया' के रूप में प्रचलित हुई। वास्तव में सूर्य को अर्घ्य तथा षष्ठी देवी का पूजन एक ही तिथि को पडने के कारण दोनों का समन्वय भारतीय जनमानस में इस प्रकार हो गया कि सूर्य पूजा और छठ पूजा में भेद करना मुश्किल है। वास्तव में ये दो अलग–अलग त्योहार हैं। सूर्य की षष्ठी को दोनों की ही पूजा होती है।

प्रमुख त्योहार

छठ बिहार का प्रमुख त्योहार है। छठ का त्योहार भगवान सूर्य को धरती पर धन–धान्य की प्रचुरता के लिए धन्यवाद देने के लिए मनाया जाता है। लोग अपनी विशेष इच्छाओं की पूर्ति के लिए भी इस पर्व को मनाते हैं। पर्व का आयोजन मुख्यतरू गंगा के तट पर होता है और कुछ गांवों में जहां पर गंगा नहीं पहुंच पाती है, वहां पर महिलाएं छोटे तालाबों अथवा पोखरों के किनारे ही धूमधाम से इस पर्व को मनाती हैं।

छठ महोत्सव और धार्मिक कर्मकांड

इस त्योहार पर न तो किसी मंदिर में पूजा हेतु जाया जाता है और न ही घर की कोई विशेष सफाई की जाती है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि यह पर्व बहुत ही आसानी से या बिना किसी कर्मकांड के मना लिया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है।

व्रत विधान

छठ पूजा में कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन नियम–स्नानादि से निवृत्त होकर पवित्रापूर्वक रसोई बनाकर भोजन किया जाता है। पंचमी को दिन भर उपवास करके सायंकाल किसी तालाब या नदी में स्नान करके भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद अलोना भोजन किया जाता है। षष्ठी के दिन प्रातरूकाल स्नानादि के बाद से संकल्प करें 'ऊं अद्य अमुकगोत्रोअमुकनामाहं मम सर्वध्पापनक्षयपूर्वकशरीरारोग्यार्थ श्रीध् सूर्यनारायणदेवप्रसन्नार्थ श्री सूर्यषष्ठीव्रत करिष्ये।' संकल्प करने के बाद दिन भर निराहार व्रत करके सायंकाल किसी नदी या तालाब पर जाकर स्नान कर भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान करें।

अर्घ्य विधान

एक बांस के सूप में केला और विभिन्न प्रकार के फल, अलोना प्रसाद, ईख आदि रखकर सूप को एक पीले वस्त्र से ढक दें और धूप–दीप जलाकर सूप में रखने के बाद दोनों हाथों में लेकर 'ऊं एहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजोराशे जगत्पते। अनुकम्पया मां भवत्या गृहाणार्ध्य नमोअस्तुतेघ्'

इन मंत्र से तीन बार अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य प्रदान करें। रात्रि जागरण के बाद प्रातरूकाल उदीयमान सूर्य को इसी प्रकार अर्घ्य देकर पारण करें।

स्नान एवं उपवास

सांध्य सूर्यपूजा के एक दिन पहले श्रद्धालु शुद्धिकरण के लिए विशेष रूप से गंगा में डुबकी लगाते हैं तथा गंगा का पवित्र जल अर्पण हेतु घर साथ लाते हैं। पूरे दिन में उपवास रखा जाता है तथा श्रद्धालु देर शाम तक पूजा के बाद ही उपवास तोड़ते हैं। प्रसाद एवं अर्पण की वस्तुएं चावल का हलुआ, पूड़ी तथा केला, ये ही इस दिन की विशेष भोजन सामग्री हैं। अर्पण के पश्चात इन्हीं भोज्य पदार्थों को मित्रों एवं संबंधियों में बांटा जाता है। लोग बड़ी ही श्रद्धा से इसे खाते हैं।

शुभ दिन रू संझा वाट

दूसरे दिन चौबीस घंटे का उपवास प्रारंभ होता है। दिनभर प्रसाद बनाने की तैयारी होती है तथा संध्या को भक्तगण छठ मैया का गीत गाते हुए नदी तट, जलकुंड या तालाब पर पहुंच जाते हैं। वहां पर अस्त होते हुए सूर्य को उपर्युक्त प्रसाद का अर्पण किया जाता है। रात्रि के समय श्रद्धालु घर लौटते हैं, जहां पर एक अन्य महोत्सव प्रतीक्षारत होता है। गन्ने की टहनियों से बने एक छत्र के नीचे दीपयुक्त मिट्टी के हाथी व प्रसाद से भरे बर्तन रखे जाते हैं। श्रद्धालु उपवास के समय जल भी ग्रहण नहीं करते हैं।

सूर्योदय से ठीक पहले भक्तगण नदी तट की ओर पुनरू छठ मैया के गीत गाते हुए प्रस्थान करते हैं तथा उदयमान सूर्य की उपासना अर्चना करते हैं। प्रार्थना के पश्चात प्रत्येक व्यक्ति को प्रसाद प्रदान किया जाता है। इस प्रसाद में विशेष रूप से पत्थर की सिल पर पीसे हुए आटे का प्रयोग होता है। इस आटे को देर तक तला जाता है तथा इसमें मीठा डालकर इसकी गोलाकार गठि्ठयां बनाई जाती हैं। इसके अलावा इस विशेष प्रसाद में अंगूर, पूरा नारियल, केले व मसूर की दाल के दाने भी होते हैं। पूजा के समय ये सभी वस्तुएं बांस की अर्धगोलाकार टोकरियों में रखी जाती हैं। इन टोकरियों को 'सूप' कहते हैं।